ISSN 2349-6614

Fortis JK HOSPITAL Udaipur

मई 2019 मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

लहुलूहान श्रीलंका

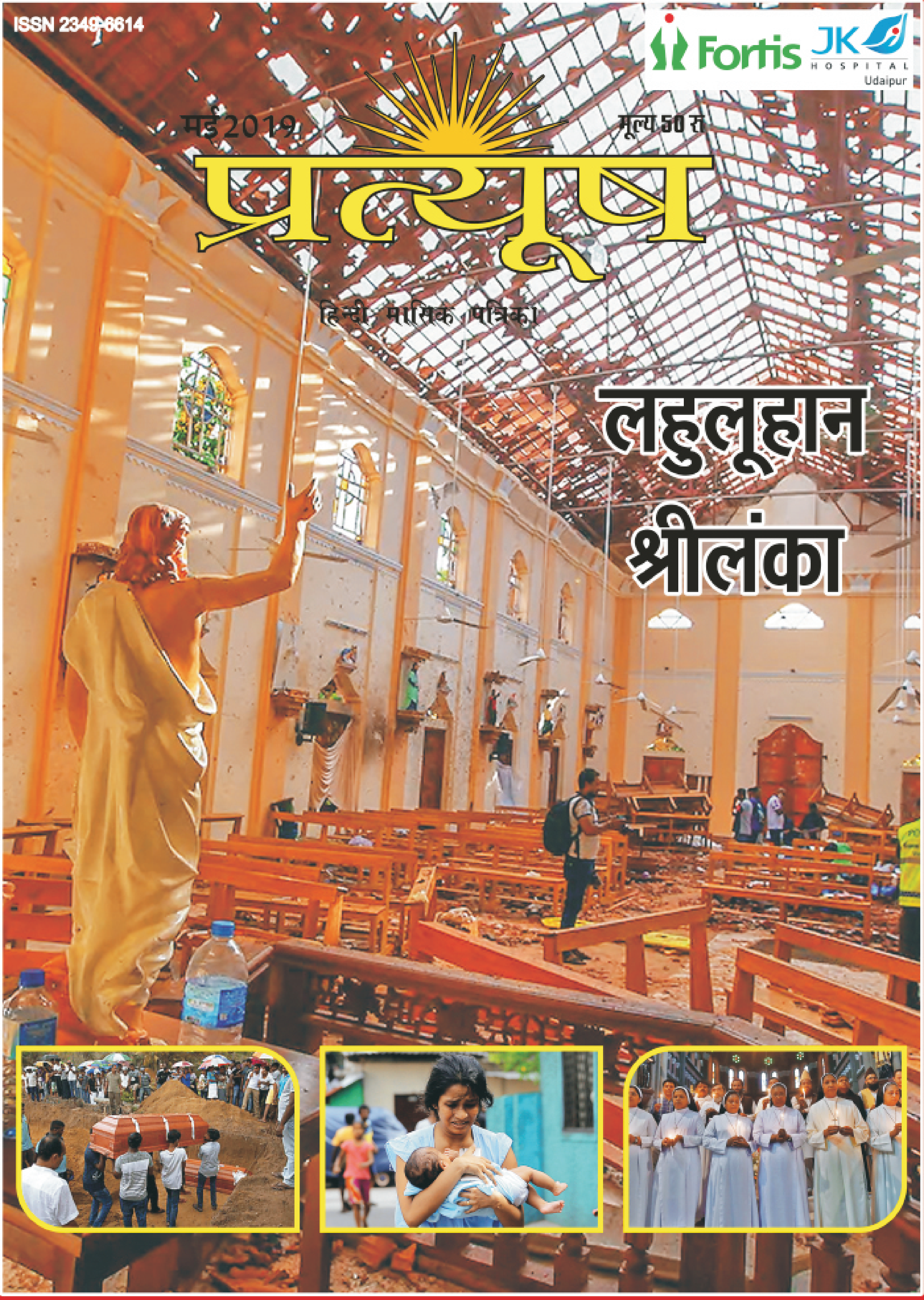

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 17 अंक 3 Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2018-2020 Posting Date : 27th-28th of Every Month RNI No. : RAJHIN/2003/9297 Posting Office : Chetak Circle, Udaipur

THE SUCCESS GROUP OF INSTITUTIONS

"SUCCESS CAMPUS" Rudraksh Complex, University Road, Udaipur

SCHOOL'S	MIRANDA SR. SEC. SCHOOL	Hiran Magri Sec.5 Udaipur (Rajasthan) Ph: 0294-2464056,9414546333
	THE PRAYAS PUBLIC SCHOOL	Tekri Udaipur (Rajasthan) Mob: 9462514121
	SWAMI VIVEKANAND Sr. Sec. School	Mali Colony, New Anand Vihar, Udaipur (Rajasthan), Mob: 9462514102
	ROYAL ACADEMY Secondary School	Opp North Sunderwas, Pratap Nagar, Udaipur, Mob: 9116091101
COACHING	THE SUCCESS POINT	"SUCCESS CAMPUS" University Road, Udaipur (Rajasthan) Ph: 0294-2470087-88
COLLEGE	THE SUCCESS COLLEGE	"SUCCESS CAMPUS" University Road, Udaipur (Rajasthan) Ph: 0294-2470087-88
VOCATIONAL	THE SUCCESS POINT Institute Of Vocational Studies	"SUCCESS CAMPUS" University Road, Udaipur (Rajasthan) Ph: 0294-2470087-88

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

प्रबन्ध सम्पादक नीरज शर्मा, डॉ. वीणा शर्मा

विपणन प्रबन्धक नितेश कुमार, नन्द किशोर
मदन, भूमिका, उषा
चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

कम्प्यूटर ग्राफिक्स Supreme Designs
विकास सुहालका

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी, कुलदीप इन्दौरा
कृष्ण कुमार हरितवाल, धीरज गुर्जर, अभय जैन
गजेन्द्र सिंह शक्तावत, लाल सिंह झाला
ओम शर्मा, अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमन्त भागवानी, डॉ. राव कल्याण सिंह
अशोक तम्बोली, सुन्दरदेवी सालवी

छायाकार :
कमल कुमावत, जितेन्द्र कुमावत,
ललित कुमावत

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग येलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राव
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

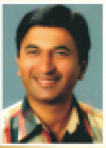

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका
प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

मई
2019
वर्ष 17, अंक 3

प्रत्यूष

मूल्य 50 रू.
वार्षिक 600 रू.

अन्दर के पृष्ठों पर...

09 सुरक्षा

चंडीगढ़ में चिनूक, रोमियो भी आएंगे

11 मिशन शक्ति

अंतरिक्ष में भारत की 'नई शक्ति'

19 मौसम के फल

सेहत बनाएं सौंदर्य बढ़ाएं

37 खेल-खिलाड़ी

महासमर को तैयार 'विराट सेना'

39 रेसिपी

कमाल की कुल्फी

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्स: 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोराइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. गुलाब बाग रोड, उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर से प्रकाशित।

सिनर्जी इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, उदयपुर

राज. नर्सिंग काउन्सिल (R.N.C.) जयपुर,
इंडियन नर्सिंग काउन्सिल (I.N.C.) नई दिल्ली
एवं राज्य सरकार से मान्यता प्राप्त

जनरल नर्सिंग एवं मिडवायफरी (G.N.M.)
कोर्स में प्रवेश की जानकारी हेतु सम्पर्क करें।

सिटी कार्यालय

महावीर भवन, तैय्याबिया स्कूल के पास, देहलीगेट उदयपुर
Phone : 0294-3200027, 7568002542

परिसर

हिंदुस्तान जिंक तिराहे के सामने,
उदयबाग रिसोर्ट वाला रास्ता
देबारी-भैंसड़ा कलां रोड, उदयपुर (राज.)

न्यूनतम योग्यता 10+2 पास, 40% किसी भी विषय में

पाठ्यक्रम अवधि 3 ½ वर्ष

मोबाइल : 98296-20257

नर्सिंग के क्षेत्र में प्रवेश का सुनहरा अवसर

* अनुभवी व प्रशिक्षित प्राध्यापकों द्वारा अध्यापन।
* प्रेक्टिकल ट्रेनिंग हेतु शहर के प्रतिष्ठित अस्पतालों से सम्बद्धता।
* प्रशिक्षण हेतु सुसज्जित प्रयोगशालाएं।
* छात्र-छात्राओं के लिए पृथक-पृथक हॉस्टल सुविधा।
* छात्र-छात्राओं हेतु बस सुविधा।
* सुसज्जित पुस्तकालय मय किताबें, जर्नल एवं मेग्जीन।

पेसिफिक डेन्टल कॉलेज एवं महाराजा कॉलेज से 250 मीटर की दूरी पर

प्रदीप चपलोत (निदेशक)

चंदे पर कोर्ट का शिकंजा

चुनावी बांड पर सर्वोच्च न्यायालय ने भले रोक न लगाई हो, लेकिन जो अन्तरिम आदेश दिया है वह चुनावी चंदे में पारदर्शिता लाने की दिशा में बड़ा कदम है। कोर्ट ने सभी राजनैतिक दलों को निर्देश दिया है कि वे इलेक्टोरल बांड के जरिए 15 मई तक मिले चंदे की जानकारी चुनाव आयोग को 30 मई तक सीलबंद लिफाफे में दें। राजनीतिक दलों को प्राप्त चंदा और इसे देने वाले लोगों की जानकारी उपलब्ध कराने का यह आदेश न केवल चुनावी चन्दे में पारदर्शिता बल्कि चुनाव सुधारों की दिशा में बहुत बड़ा कदम है। सीजेआई रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली बैंच के 12 अप्रैल के इस आदेश के अनुसार चंदे की जानकारी वाला सीलबंद लिफाफा चुनाव आयोग के पास तब तक रहेगा जब तक सुप्रीम कोर्ट इस मामले में अन्तिम फैसला नहीं कर लेता।

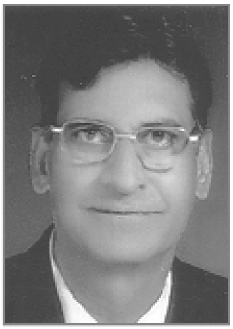

लोकसभा चुनाव के माहौल में चुनावी चंदे की पारदर्शिता को लेकर जारी बहस के बीच सूचना के अधिकार (आरटीआई) से खुलासा हुआ है कि राजनैतिक दलों को चंदा देने में गुमनाम लोगों ने सबसे महंगे चुनावी बांड खरीदने के प्रति भारी रूझान दिखाया। राजनैतिक दलों को 1 मार्च, 2018 से 24 जनवरी, 2019 की अवधि में 99.8 फीसद चुनावी चंदा सबसे महंगे बांड से ही मिला। देश के सबसे बड़े भारतीय स्टेट बैंक(एसबीआई) से आरटीआई के जरिए मिले आंकड़ों के हवाले से यह अहम जानकारी हासिल करने वाले नीमच निवासी चन्द्रशेखर गौड़ के अनुसार गुमनाम चंदादाताओं ने सरकारी क्षेत्र के इस सबसे बड़े बैंक की विभिन्न शाखाओं के माध्यम से 1 मार्च, 2018 से 24 जनवरी, 2019 तक सात चरणों में पांच अलग-अलग मूल्य वर्ग वाले कुल 1,407.09 करोड़ रुपए के चुनावी बांड खरीदे। ये बांड एक हजार, दस हजार, एक लाख, दस लाख और एक करोड़ रुपए मूल्य वर्गों में बिक्री के लिए जारी किए गए थे। इस अवधि में चंदादाताओं ने दस लाख रुपए मूल्य वर्ग के कुल 1,459 बांड और एक करोड़ रुपए मूल्य वर्ग के कुल 1,258 चुनावी बांड खरीदे। यह आंकड़ा सभी पांच मूल्य वर्गों के बांड की बिक्री की कुल रकम यानी 1,407.09 करोड़ का लगभग 99.8 फीसद है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार की इस स्कीम के खिलाफ एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स नाम की एक स्वयंसेवी संस्था(एनजीओ) ने जनहित याचिका कोर्ट में दाखिल की हुई है। याचिका में स्कीम की वैधता को चुनौती देते हुए कहा गया है कि इस स्कीम पर रोक लगाई जाए या फिर इसके तहत दानदाताओं के नामों को सार्वजनिक किया जाए। सरकारी पक्ष का कहना है कि इस स्कीम का उद्देश्य चुनावों के दौरान ब्लैक मनी के इस्तेमाल को रोकना है। इस मामले में कोर्ट अन्तिम सुनवाई की तारीख जल्दी घोषित करेगा।

सर्वोच्च न्यायालय का यह आदेश उन सियासी दलों के लिए बड़ी परेशानी का सबब बनने वाला है, जो पार्टी को मिले चंदे को गोपनीय रखना चाहते हैं। उन्हें डर है कि अगर चंदे से सम्बन्धित जानकारियां सार्वजनिक हो गईं तो उनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इसलिए वे अपने-अपने तरीके और माध्यम से इस बात की भरपूर कोशिश करेंगे कि कोई ऐसी व्यवस्था न बन पाए जिससे उन्हें मिलने वाले चंदे की पाई-पाई का हिसाब जनता के सामने रखना पड़े।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बांड पर प्रश्न चिन्ह लगाते हुए यहां तक कह दिया था कि इनके माध्यम से आने वाले पैसे की पारदर्शिता संदिग्ध है। क्या कालेधन पर सफेदी पोतने का माध्यम नहीं है? क्योंकि बैंक जब चुनावी बांड जारी करता है तो उसके पास यह प्रमाण नहीं होता कि इन्हें किसके लिए जारी किया जा रहा है। इन्हें कोई भी भुना सकता है। यहां हम यह भी बताते चलें कि सियासी दलों ने आलोच्य अवधि के दौरान खरीदे 1,407.09 करोड़ रुपए के चुनावी बांड में से 1,395.89 करोड़ रुपए के चुनावी बांड भुना लिए हैं। यानी 11.20 करोड़ रुपए के चुनावी बांड अब भी बिना भुनाए पड़े हैं।

राजनीति में कालेधन का इस्तेमाल हमेशा से ही चिंता का विषय रहा है। चुनाव के वक्त कालेधन का प्रवाह और तेजी से बढ़ जाता है, यह कोई छिपी बात नहीं है। हाल ही कई जगह भारतीय मुद्रा को इधर से उधर ले जाते जब्तगी के मामले सामने आए हैं।

पिछले साल चुनावी बांड योजना लाने का मकसद ही यह था कि इससे चुनावी राजनीति में कालेधन के उपयोग पर लगाम लगेगी। लेकिन चुनावी बांड योजना जिस तरह से लाई गई, तभी से यह संदेह के घेरे में है और इस पर सब तरफ सवाल उठ रहे हैं। इस योजना को लाने के लिए आयकर कानून, जनप्रतिनिधित्व कानून, वित्त कानून, कम्पनी कानून सहित कई कानूनों में संशोधन किए गए। जिससे इसका संदेहास्पद बन जाना स्वाभाविक था। राजनीतिक दल जब चुनाव में भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाते हैं तो फिर वे खुद क्यों नहीं चाहते कि उन्हें मिलने वाले चंदे का हिसाब भी वोट देने वाली जनता के सामने ईमानदारी से रखा जाए। चुनाव लगातार खर्चीले होते जा रहे हैं। गरीब अथवा साधारण आय वर्ग वाले व्यक्तियों का प्रत्याशी बनना मुश्किल हो गया है। पूंजीपतियों और चुनिन्दा राजनैतिक परिवारों के इर्द-गिर्द ही सत्ता को क्यों केन्द्रित किया जा रहा है? जिस तरह के हालात हैं, उससे स्पष्ट है कि देश में अब चुनाव सुधारों पर बहस, कानून बनाने और उस पर अमल का वक्त आ गया है।

MEWAR UNIVERSITY

Mewar University
Knowledge to Wisdom

A University u/s 2 (f) of the UGC Act 1956, established by Govt. of Rajasthan Act. 4 of 2009 with the right to confer degrees u/s 22 (1) of the UGC Act

MEMBER, ASSOCIATION OF INDIAN UNIVERSITIES (AIU)

ADMISSION ANNOUCEMENT 2019-20

Diploma, Degree and PG Programmes

Engineering & Technology

Polytechnic Diploma
(Chemical, Civil,Computer Science & Engg., Electronics & Communication,Electrical, Mechanical, Mining,Cement & Concrete Technology, Cement & Ceramics Engg., Textile Engg., Architecture,Automobile, Instrumentation & Control Engg. Petro-Chemical, Plastic Engg.)

B.Tech
(Chemical, Civil, Computer Science & Engg. Electrical, Electronics & Communication, Mechanical, Instrumentation & Control Engg.)

M.Tech
(Computer Science, Digital Communication, Manufacturing System, Power System, Structural Eng., VLSI, Transportation, thermal, Polymer, Cement & Ceramics, Power Electronics & Drives, Renewable Energy, Environmental Technology)

Agriculture & Veterinary Sciences

B.Sc. Agriculture , **B.Sc.** Forestry
B.Sc. Agronomy , **B.Sc.** Horticulture
M.Sc. Agronomy
PG Diploma in Organic Farming

Humanities, Social Science & Fine Arts

B.A. (Hons.), B.A. & M.A.
History, Economics, Political Science, Philosophy, Sociology, Public Admin, Hindi, English, Geography, Psychology, Sanskrit, Yoga, Astrology.

MSW
(Family&child welfare ,Urban & Rural Community Developments, Personnel Management & Industrial Relations)

Computer System Studies

BCA, B.Sc. (IT), BCA-MCA(Integrated) , MCA, PGDCA

Paramedical Sciences

D. Pharma, B.Pharma,
DMLT, BMLT, BPT

Education & Psychology

B.P.E, B.Ed, B.A. / M.A. (Education)
Diploma in Elementary Education

Mass & Media Communication

B.A., M.A.
Journalism & Mass Communication

Management and Commerce

B.Com.(Hons), B.Com.(Hons)- ***IFA,***
B.Com.(Pass Course), BBA (Hons)-CIMA
M.Com, BBA, BBA-MBA (Integrated)
BTTM, MBA (Full Time) (Finance, HR, IT, Marketing)

Legal Studies

BA - LLB. (Integrated)
BBA - LLB. (Integrated)
LL.B (3Years), LL.M(2Years)
PG Diploma in Cyber Law

Science & Technology

B.Sc(Hons) ,B.Sc(Gen.), M.Sc
(Physics, Chemistry, Mathematics, Bio-tech, Botany, Zoology, Computer Science, Geology, Micro-biology, Bio-informatics, Environmental Science, Operation Research, Statistics, Clinical Psychology)

Vocational Sciences, Skill Development & Entrepreneurship Studies

Diploma Fashion Design, **Diploma** Interior Design
Diploma Leather & Footwear,
B.A. Jewellery Design & Manufacturing Techniques

Scholarship/Rebate to merit - cum need based Students belonging to SC/ST/OBC (BPL)/Minority/General

NH-79, Gangrar, Chittorgarh (Raj.) - 312901 Phone : 01471-291151/52, 9269629541,9414109080
Email : admission@mewaruniversity.org Website : www.mewaruniversity.org

श्रीलंका लहूलुहान

❖ ईस्टर पर आतंकवादियों का कायराना हमला

❖ आठ सिलसिलेवार धमाकों में 290 की मौत

❖ चर्च और लग्ज़री होटलों को बनाया निशाना

– उमेश शर्मा

ईस्टर के मौके पर 21 अप्रैल को भारत का पड़ौसी देश श्रीलंका दहल उठा। सुबह 8.45 से शाम तकत 6 घण्टे में चर्चों, पांच सितारा होटलों और गेस्ट हाउस में हुए 8 धमाकों में 35 विदेशियों समेत 290 लोगों की मौत हो गई। करीब 500 लोग घायल हो गए। जान गंवाने वाले विदेशियों में अमरीका, ब्रिटेन, नीदरलैण्ड्स और पुर्तगाल के नागरिकों के अलावा आठ भारतीय भी हैं। धमाकों के बाद का परिदृश्य बेहद भयावह था। लोगों के शरीर से अलग होकर अंग दूर दूर तक बिखरे पड़े थे और घटनास्थल के दरोदिवार खून से लाल था। ये धमाके राजधानी कोलम्बो, नेगांबो व बट्टिकलोवा शहरों में तीन चर्चों, तीन होटलों, एक गेस्ट हाउस और एक अन्य इमारत में हुए। आतंकवादियों ने धमाके न केवल पूरी योजना बनाकर किए बल्कि दिन भी वह चुना जब क्रिश्चियन मतावलम्बी ईसा मसीह के दोबारा जीवित होने का जश्न मना रहे थे। इसे इसाई धर्म के लोग ईस्टर संडे के नाम से मनाते हैं। मान्यता है कि गुड फ्राईडे के तीन दिन बाद मृत ईसा पुन: जीवित हो उठे थे।

श्रीलंका में हुए बड़े आतंकी हमले

1985 श्री महाबोधी हमला

लिट्टे ने अनुराधापुरा के एक मठ में 146 लोगों की हत्या कर दी।

1987 अलुथ ओया नरसंहार

लिट्टे ने सिंहली बौद्ध समुदाय के 127 लोगों को मार डाला था।

1990 कट्टनकुडी मस्जिद हमला

लिट्टे ने कट्टनकुडी की एक मस्जिद को निशाना बनाया था। इसमें 147 लोग मारे गए।

1992 पल्लियागोडे ला हत्याकाण्ड

लिट्टे ने पल्लियागोडेला गांव पर हमला किया था। इसमें 285 लोग मारे गए।

1996 सेन्ट्रल बैंक हमला

ट्रक में बम से सेन्ट्रल बैंक में धमाका हुआ। इसमें 100 लोगों की मौत हुई।

2006 हबाराना हमला

अक्तूबर में हबाराना कस्बे के पास आत्मघाती हमले में 100 लोग मरे थे।

2006 दिगमपाठना बम धमाका

लिट्टे ने सेना की 15 बसों पर हमला किया था, 120 नाविक मारे गए थे।

2009 में लिट्टे का खात्मा

लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम(एलटीटीई) की स्थापना वेलुपिल्लई प्रभाकरण ने 1976 में की थी। इसका मकसद उत्तर और पूर्व श्रीलंका में तमिल ईलम(तमिलों के लिए स्वतंत्र राज्य) बनाना था। 1983 से 2009 तक श्रीलंका गृहयुद्ध की चपेट में रहा। 25 जनवरी 2009 को लिट्टे के अंतिम इलाके मुल्लईतिवू को जीत लिया गया। 16 मई 2009 को तत्कालीन राष्ट्रपति महिंद्रा राजपक्षे ने 26 साल चले गृहयुद्ध और लिट्टे के खात्मे का ऐलान किया।

भारत के पुलवामा में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के काफिले पर दहशतगर्दों के हमले के सवा दो माह और न्यूजीलैंड की मस्जिदों में आतंककारी वारदातों के सवा महीने बाद हैवानियत ने एक बार फिर इन्सानियत को लहूलुहान कर दिया है। श्रीलंका सरकार ने हमले के लिए इस्लामिक संगठन नेशनल तौहीद जमात को जिम्मेदार ठहराया है। लगभग तीन सौ बेगुनाहों की मौत का चाहे जो कोई संगठन अथवा व्यक्ति जिम्मेदार हो, उसे उसके किए का ऐसा दण्ड मिलना चाहिए, जिससे भविष्य में वे मानवता को शर्मसार करने वाला ऐसा घृणित कृत्य न कर सके। घटना की निंदा की सिर्फ रस्म अदायगी ही नहीं होनी चाहिए। यह मानवता को बचाने का सवाल है। भारत, अमेरिका, रूस, फ्रांस सहित अनेक देशों ने मर्मान्तक पीड़ा की इस घड़ी में श्रीलंका सरकार को उसके साथ खड़ा रहने और हर आवश्यक सहायता के लिए आश्वस्त किया है। आतंकवाद सिर्फ बातों, संकल्पों, विरोध प्रदर्शनों, प्रस्ताव पारित करने से ही रूकने वाला नहीं है। इसके लिए विश्व समुदाय को तमाम मतभेदों को दरकिनार कर सहमति बनानी होगी। संयुक्त राष्ट्र को इस मामले में अब और अनदेखी नहीं करनी चाहिए। उसकी संस्थाओं के मंच पर जो देश अच्छे और बुरे आतंकवाद की परिभाषाएं गढ़ते हुए अपने उन पिट्ठू देशों का पृष्ठ पोषण कर रहे हैं, जो अपने इलाकों में आतंक की नर्सरी सींच रहे हैं। ऐसे पैरोकार देशों को खून-खराबे के इस माहौल को बंद करने में सहयोग देने के लिए बाध्य करना पड़ेगा। चाहे ये देश कितने बडे, ताकतवर और विशेषाधिकार वाले हों। अमरीका, फ्रांस, ब्रिटेन और रूस के भारी दबाव के बावजूद चीन के अपने स्वार्थ पाकिस्तान को आतंकवाद के मदरसों को बंद करने के लिए कहने से उसे कहने से रोक रहे हैं। आतंकवाद धर्म से जुड़ा मुद्दा कतई नहीं हैं, चीन को यह समझ लेना चाहिए। आतंकवादी सिर्फ मानवता के हत्यारे हैं और उनकी आग की लपटें एक दिन उनके पैरोकारों तक भी पहुंच सकती है।

श्रीलंका में हुए हमलों की प्रकृति से स्पष्ट है कि इसमें अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादी संगठनों की मिलीभगत है। छिपी बात नहीं है कि आइएसआइएस जैसे संगठन किस तरह दुनिया के तमाम देशों में मुसलिम कट्टरपंथ की जड़ें फैलाने में जुटे हुए हैं। खासकर जहां मुसलिम समुदाय पर अन्य समुदायों के हमले अधिक होते रहे हैं, वहां तमाम देशों में इसी तरह होटलों और भीड़भाड़ वाली जगहों पर आत्मघाती हमले कर चुनौती देते रहे हैं। श्रीलंका में भी इसी तरह उन्होंने घुसपैठ बनाई हो, तो हैरानी की बात नहीं। हालांकि पूरी स्थिति जांच के बाद ही स्पष्ट होगी, पर स्पष्ट है कि यह आतंकवाद से लड़ने वाले राष्ट्रों के लिए यह बड़ी चुनौती है।

आतंकियों ने इन शहरों को ही क्यों बनाया निशाना?

श्रीलंका के तीन शहर कोलंबो, निगंबो और बट्टिकलोवा की विशेषता एक अहम पहलू है जिसके कारण ये शहर आतंकियों के निशाने पर रहे और यह भारी तबाही मचाई गई।

1. कोलंबो : मिश्रित आबादी वाला शहर

इसे श्रीलंका की आर्थिक राजधानी कहते हैं। आबादी के हिसाब से यह सबसे बड़ा शहर है और हर प्रमुख धर्म के लोग यहां रहते हैं। पर्यटक भी यहां खूब आते हैं जिस कारण इस शहर को निशाना बनाया गया।

56 लाख मेट्रोपोलियन आबादी यहां की है। यहां 31.4 प्रतिशत मुसलमान, 31.2 प्रतिशत बौद्ध, 22.6 प्रतिशत हिन्दू, 14.6 प्रतिशत इसाई हैं।

2. निगंबो : कैथोलिक समुदाय का केन्द्र है

पश्चिमी तटीय शहर निगंबो श्रीलंका का प्रमुख औद्योगिक शहर है। यहां सबसे अधिक संख्या रोमन कैथोलिक समुदाय की है, यहां के प्राचीन सेंट सेबेस्टियन चर्च पर आतंकी हमला किया गया।

14 लाख आबादी है। यहां 65.31 प्रतिशत रोमन कैथोलिक हैं। 14.33 प्रतिशत मुसलमान, 11.7 प्रतिशत बौद्ध और 5.85 प्रतिशत हिन्दू हैं।

3. बट्टिकलोआ : बहुसंख्यक हिन्दू आबादी का शहर

पूर्वी तटीय शहर बट्टिकलोआ श्रीलंका की पूर्व राजधानी थी। यहां हिन्दू अधिक हैं और ईसाई व बौद्ध अल्पसंख्यक हैं। यहां की प्रसिद्ध सियोल चर्च में हमला हुआ।

95 लाख यहां की आबादी है। यहां 64.6 प्रतिशत हिन्दू हैं। इसके अलावा, 25.5 प्रतिशत मुसलमान, 8.9 प्रतिशत इसाई और मात्र 1.1 प्रतिशत बौद्ध हैं।

राष्ट्रीय तीर्थस्थल है सेंट एंथनी चर्च

कोलंबो स्थित सेंट एंथनी चर्च डच औपनिवेश काल का है, इसे राष्ट्रीय तीर्थस्थल घोषित किया जा चुका है।

चंडीगढ़ में चिनूक, रोमियो भी आएंगे

– डॉ. प्रीतम जोशी

- वायु सेना के लिए बोइंग से 1.5 अरब डॉलर का सौदा
- 20 हजार फीट की ऊंचाई तक उड़ान भरने में समर्थ चिनूक हेलीकॉप्टर
- नौसेना में 48 साल बदलाव, अमेरिकी 'रोमियो' हेलीकॉप्टर होंगे बेड़े में शामिल

देश के रक्षातंत्र को और अधिक व्यवस्थित व मजबूत करने के लिए भारतीय वायुसेना और नौसेना एक नई उड़ान भरने को तैयार है। वायुसेना के बेड़े में 25 मार्च को चंडीगढ़ एयरफोर्स स्टेशन पर समारोहपूर्वक अमेरिका से खरीदे गए चिनूक सीएच-47 हेलीकॉप्टर शामिल कर लिए गए हैं। 15 हेलीकॉप्टरों की खरीद के लिए अमेरिका में बोइंग की सहकम्पनी के साथ तकरीबन 1.5 अरब डॉलर का करार किया गया है। भारतीय वायुसेना के बेड़े में फिलहाल चार 'चिनूक' शामिल किए गए हैं, शेष ग्यारह भी शीघ्र जुड़ जाएंगे। दुनिया की पिछली कई लड़ाइयों में इन हेलीकॉप्टरों की उपयोगी भूमिका को दृष्टिगत रखते हुए ही भारत सरकार ने इन्हें खरीदने का फैसला किया। इसी तरह अमेरिका से ही ऐसे हेलीकॉप्टर भी आने वाले हैं, जो पनडुब्बीभेदी अभियानों में नौसेना की क्षमता को बढ़ाएंगे।

चिनूक सीएच 47 बहुद्देशीय हेलीकॉप्टर हैं, जिनका उपयोग दुर्गम और ज़्यादा ऊंचाई वाले स्थानों पर जवानों, हथियारों, मशीनों तथा अन्य प्रकार की रक्षा सामग्री को ले जाने में किया जाएगा। ये 20 हज़ार फीट की ऊंचाई तक उड़ान भर सकते हैं तथा 10 टन तक का वजन ले जा सकते हैं। इराक की लड़ाई हो या अफगानिस्तान की, लीबिया की लड़ाई हो या फिर फॉकलैंड का युद्ध, चिनूक ने हर लड़ाई में अपनी सेनाओं को महत्वपूर्ण बढ़त दिलाई। हेवी लिफ्ट और भारी वाहन क्षमता वाले चिनूक हेलीकॉप्टर अभी तक दुनिया के करीब दो दर्जन देशों की सेनाओं का हिस्सा हैं। बोइंग कम्पनी समय-समय पर इनमें आवश्यक सुधार भी करती रही है। खुद अमेरिका इनका महत्वपूर्ण ऑपरेशनों में इस्तेमाल किया है। अमेरिका ने पाकिस्तान में घुसकर जब लादेन का खात्मा किया था, तब इसी 'चिनूक' का इस्तेमाल हुआ था। हालांकि दूसरे युद्धक हेलीकॉप्टर की तरह चिनूक सीधे तौर पर लड़ाई का हथियार नहीं है। इसका इस्तेमाल सीधे हमले के लिए नहीं होता, बल्कि सैनिकों और सैन्य साजो-सामान को एक जगह से दूसरी जगह तक पहुंचाने में किया जाता है। एक चिनूक लगभग 10-11 टन वजन ढो सकता है। इसके भीतर 40 45 सैनिकों के बैठने की भी व्यवस्था है। इसमें छोटी तोपें, बख्तरबंद गाड़ियां जैसी युद्धक सामग्रियों को नीचे लटकाकर कहीं भी ले जाया जा सकता है। घने कोहरे और धुंध में भी यह एक्शन लेने में सक्षम है। इसे हर मौसम में हर दिन-हर मिनट ऑपरेट किया जा सकता है।

बहुत बड़े आकार के बावजूद बेहद तेज रफ्तार है, चिनूक की। प्रति घंटे 315 किलोमीटर गति से उड़ान भरने वाला यह मल्टी रोल, वर्टिकल लिफ्ट प्लेटफॉर्म हेलीकॉप्टर है। जो युद्धकाल में ही नहीं शांतिकाल में भी काफी उपयोगी है। खासकर बाढ़ जैसी आपदा राहत में या फिर किसी आपदाग्रस्त इलाके में फंसे लोगों को निकालने के मामले में।

इन देशों के पास है 'चिनूक'

फरवरी 2007 में पहली बार नीदरलैंड इस हेलीकॉप्टर का पहला विदेशी खरीददार बना था। उसने सीएच 47 एफ के 17 हेलीकॉप्टर खरीदे थे। इसके बाद 2009 में कनाडा ने सीएच 47 एफ के 15 अपग्रेड वर्जन हेलीकॉप्टर खरीदे। दिसम्बर 2009 में ब्रिटेन ने भी इस हेलीकॉप्टर में अपनी रुचि दिखाई और 24 हेलीकॉप्टर खरीदे। 2010 में ऑस्ट्रेलिया ने पहले सात और फिर तीन सीएच-47डी हेलीकॉप्टर खरीदे थे। 2016 में सिंगापुर ने 15 हेलीकॉप्टर

का ऑर्डर कंपनी को दिया था। अब तक कुल 26 देशों के पास ये हेलीकॉप्टर हैं।

पड़ौसी की कुदृष्टि

भारत को घेरने की नीति के तहत चीन पड़ौसी देशों में विकास के नाम पर अपनी सामरिक स्थिति मजबूत करने की पुरजोर कोशिश में है। पाकिस्तान के ग्वादर और श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह के बाद अब उसकी नज़र बांग्लादेश के पायरा बंदरगाह पर है। चीन की दो कम्पनियों चाइना हार्बर इंजीनियरिंग कम्पनी(सीएचईसी) और चाइना स्टेट कन्स्ट्रक्शन इंजीनियरिंग कम्पनी(सीएससीईसी) ने बंदरगाह के मुख्य ढांचे के विकास और अन्य कार्यों के लिए बांग्लादेश के साथ करीब 4200 करोड़ का सौदा किया है। इस निवेश में हाउसिंग, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे कुछ विषयों को जोड़कर चीन अपनी वास्तविक मंशा को छिपा रहा है। दरअसल वह बांग्लादेश के पटुआखली स्थित बंदरगाह को अपने कब्जे में लेना चाहता है। वह ग्वादर(पाकिस्तान) बंदरगाह से अरब सागर, हंबनटोटा(श्रीलंका) बंदरगाह से हिंदमहासागर और पायरा(बांग्लादेश) बंदरगाह के माध्यम से बंगाल की खाड़ी में अपनी दखल बढ़ाना चाहता है। अगर ऐसा होता है तो वह भारत के तीन ओर समुद्री जाल बिछा देगा। चीन ऐसा कांइया है, जो पहले तो अपने कर्ज के जाल में पड़ौसियों को फंसाता है और फिर उन पर वसूली का दबाव बढ़ाकर उनसे सामरिक महत्व वाले क्षेत्रों पर नियंत्रण के ताने-बाने बुनता है। ऐसी स्थिति में भारत का सावचेत होना समय की मांग है।

जिस तरह चीन ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे में अनाप-शनाप धन लगाया है और उसकी सुरक्षा के नाम पर वहां अपने सैनिक बिठाएं हैं, देर-सबेर वह उस पर काबिज होता लगता है। हालांकि भारत को दबाना अब उसके लिए आसान नहीं है।' हिन्दी-चीनी भाई-भाई' का नारा देकर 1962 में उसने जो धोखा दिया, उससे हमने सबक सीखा है, फिर भी उसके खून में जो साम्राज्यवादी विस्तारवाद है, उससे हमें बहुत सावधान रहने की आवश्यकता है। चीन ने अपने रक्षा बजट में इस वर्ष 7.5 प्रतिशत की वृद्धि की है। ऐसा वह पिछले कई वर्षों से लगातार करता रहा है। स्वाभाविक है कि भारत भी अपनी जल, थल और वायुसेना को मजबूत करे। चीन की व्यापारिक और सामरिक महत्वाकांक्षाए जिस तरह से बढ़ी हैं, उसके खिलाफ दुनिया में जो समीकरण उभरा है, उसमें भारत की भूमिका काफी अहम है। एशिया में चीन के खिलाफ जो त्रिकोण काम कर रहा है, उसमें तीन देश हैं भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान। इनमें भारत से अमेरिका समेत पश्चिमी राष्ट्र सबसे ज्यादा उम्मीद बांध रहे हैं। यह भी एक वजह है कि चीन भारत-विरोध में आंख मूंद कर इस हद तक बढ़ गया है।

नौसेना में बदलाव

वायुसेना को मजबूत करने के साथ ही भारत ने नौ(जल) सेना को 48 साल बाद नए हेलीकॉप्टरों से सज्जित करने की शुरुआत कर दी है। ये हेलीकॉप्टर सतह और पनडुब्बीभेदी अभियानों में नौसेना की क्षमता बढ़ाएंगे। 3 अप्रेल को अमेरिकी सरकार ने भारत को 24 एमएच 60 'रोमियो' सीहॉक हेलीकॉप्टर बेचने की मंजूरी दे दी। उल्लेखनीय है कि भारत और अमेरिका के बीच यह रक्षा सौदा 2.6 अरब डॉलर (करीब 18200 करोड़ रुपए) का है। जिस तरह से प्रशांत और दक्षिण एशियाई क्षेत्र में चीन अपनी दखल और दबदबा बढ़ाने की कोशिश कर रहा है, उससे भारत का चिंतित होना और अपनी सेनाओं को आधुनिक साजो सामान से लैस करना जरूरी हो गया है। एमएच 60 आरसी हॉक हेलीकॉप्टर पुराने हो चुके ब्रिटेन के सी किंग हेलीकॉप्टरों की जगह लेंगे। जिन्हें 1971 में नौ सेना के बेड़े में शामिल किया गया था।

निर्भय का सफल परीक्षण

सुरक्षा की दृष्टि से भारत ने 15 अप्रेल को ओडिशा के तट पर एक और मील का पत्थर उस समय फतेह कर लिया, जब एक हजार किलोमीटर तक मारक क्षमता वाली सब-सोनिक क्रूज मिसाइल 'निर्भय' का सफल प्रयोग किया। इसकी पहुंच में पूरा पाकिस्तान और चीन का बड़ा हिस्सा है। डीआरडीओ द्वारा निर्मित 'निर्भय' एक सबसोनिक लॉग रेंज मिसाइल है, जो जमीन पर मार करती है। यह 200 से 300 किलोग्राम तक की आयुध सामग्री आसानी से ले जा सकती है। परमाणु क्षमता से युक्त, ठोस ईंधन से काम करने वाली 1,500 किलोग्राम वजनी इस मिसाइल की स्पीड 0.6 से 0.7 मैक (ध्वनि की रफ्तार के बराबर) हो सकती है।

सीमा के करीब भी न आ सकेगा पाक

चंडीगढ़ एयर फोर्स स्टेशन पर चिनूक सीएच-47 हेलीकॉप्टर को भारतीय वायुसेना के बेड़े में शामिल किए जाने के लिए आयोजित समारोह में वायुसेना प्रमुख बीएस धनोआ ने कहा कि वायुसेना को सितम्बर से अपाचे अटेक हेलीकॉप्टरों की भी आपूर्ति शुरू होने वाली है। चिनूक के साथ ही रक्षा मंत्रालय ने 2015 में 22 अपाचे हेलीकॉप्टरों की खरीद को भी मंजूरी दी थी। चिनूक की तैनाती चंडीगढ़ में जबकि अपाचे की पठानकोट में होगी। उन्होंने कहा कि राफेल के भारत आने के बाद भारतीय वायुसेना बेहद मजबूत हो जाएगी। भारतीय उपमहाद्वीप में राफेल जेट्स सबसे बेहतर लड़ाकू विमान होगा। इनके भारतीय वायुसेना के बेड़े में शामिल होने पर भारत की हवाई सुरक्षा काफी मजबूत होगी और पाकिस्तान लाइन ऑफ कन्ट्रोल(एलओसी) के नजदीक फटकने की हिम्मत भी नहीं कर पाएगा।

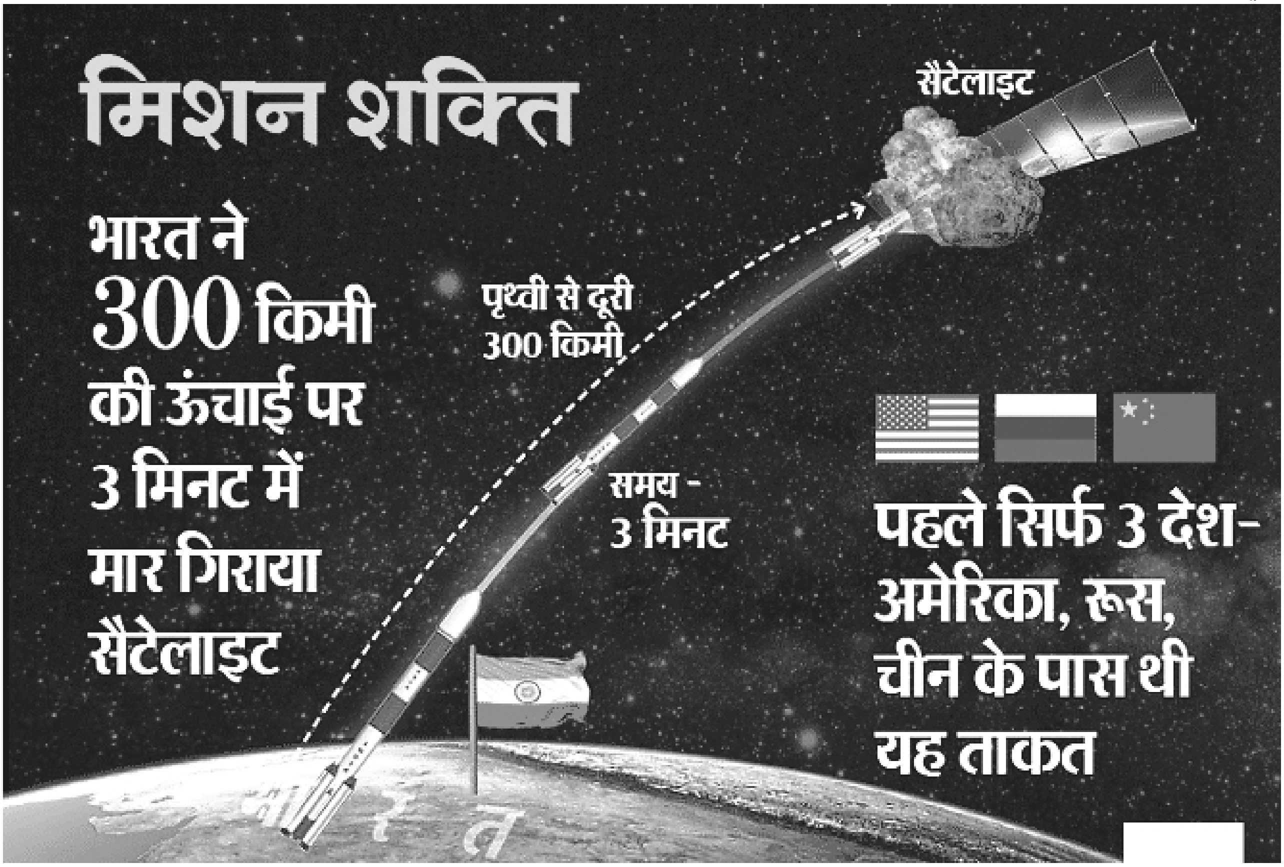

अंतरिक्ष में भारत की 'नई शक्ति'

– शिल्पा नागदा

विकास की ओर तेजी से बढ़ रहे देश की रक्षात्मक पहल	उपग्रह रोधी स्वदेशी मिसाइल का सफल परीक्षण, रक्षा उपग्रह एमिसैट भी अंतरिक्ष की कक्षा में स्थापित	हथियारों की दौड़ में शामिल होने का इरादा नहीं

भारत ने अंतरिक्ष में 300 किमी दूर सक्रिय अपने ही एक सैटेलाइट को महज तीन मिनट में ध्वस्त कर दिया। इस उपलब्धि के साथ अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत चौथी ऐसी महाशक्ति बन गया है, जिसके पास यह तकनीक मौजूद है। इस उपलब्धि के साथ ही रक्षा उपग्रह एमिसैट की भी अंतरिक्ष में सफल लॉचिंग की जिससे भारत की सुरक्षा अभेद्य हो गई है।

भारत ने 27 मार्च को एंटी सैटेलाइट मिसाइल का सफल परीक्षण करके यह साबित कर दिया है कि वह न सिर्फ भविष्य की रक्षा चुनौतियों के लिए तैयार है, बल्कि उसके लिए अंतरिक्ष ऐसा क्षेत्र है, जहां उसके लिए अब कोई चुनौती शेष नहीं है। रक्षा अनुंसधान और विकास संगठन(डीआरडीओ) के वैज्ञानिकों ने एंटी सैटेलाइट मिसाइल, ए-सैट से महज तीन मिनट में तीन सौ किलोमीटर ऊपर अंतरिक्ष में अपने ही एक लाइव सेटेलाइट को निशाना बनाकर उसे नष्ट कर दिया। परीक्षण पूरी तरह सफल रहा और योजना के तहत सभी मानदण्डों को पूरा किया। यह पूरी तरह से स्वदेशी प्रौद्योगिकी पर आधारित था। इस परीक्षण की जरूरत क्या थी ? इसके जवाब में कहा गया है कि यह परीक्षण इसलिए किया गया ताकि भारत की अपनी अंतरिक्ष सम्बंधी परिसम्पत्तियों की सुरक्षा की क्षमता की पुष्टि की जा सके। यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह बाहरी अंतरिक्ष में अपने देश के हितों की रक्षा करें। पृथ्वी की निचली कक्षा(एलईओ) में इस सफल परीक्षण में अपने लाइव

उपग्रह को नष्ट करने के साथ ही भारत दुनिया की चौथी 'अंतरिक्ष महाशक्ति' बन गया है।

यह अभियान मात्र तीन मिनट में सफलतापूर्वक पूरा किया गया। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भविष्य में सामरिक शक्ति बढ़ाने में अंतरिक्ष तकनीक की भूमिका अहम होगी। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी सहित विभिन्न राजनैतिक दलों के नेताओं ने कहा कि भारत को अपने वैज्ञानिकों पर गर्व है, जिन्होंने भारत को इस गौरवशाली मुकाम पर पहुंचाया। 'मिशन शक्ति' परियोजना यूं ही आनन-फानन में नहीं बनी और न ही सफलता आकस्मिक रूप से मिली। यह वैज्ञानिकों की बरसों की सोच और साधना का प्रतिफल है। पृथ्वी की सतह से किसी भी उपग्रह को निशाना बनाकर ध्वस्त करना आसान नहीं होता, क्यों कि वे तीन सौ किलोमीटर से भी अधिक की दूरी पर स्थित होने के साथ ही इतनी तीव्रता से पृथ्वी की कक्षा में भ्रमण कर रहे होते हैं कि उन पर निशाना साधने में थोड़ी-सी भी असावधानी या आकलन में गड़बड़ी से न सिर्फ असफलता और भारी आर्थिक क्षति होगी बल्कि वह भ्रमणरत किसी अन्य उपग्रह के लिए भी खतरनाक साबित हो सकता है। इस समय अकेले भारत के ही चार दर्जन उपग्रह परिभ्रमण में हैं। ऐसे ही अन्य देशों के उपग्रह भी होंगे ही। ऐसे में भारत की इस सफलता को कमतर नहीं आंका जाना चाहिए।

नए दौर में युद्ध सिर्फ आमने सामने के ही नहीं रह गए हैं। इसमें अब एक जरूरी तत्व यह भी शामिल हो गया है कि दुश्मन के संचार तंत्र को कितना जल्दी और किस स्तर तक ध्वस्त किया जा सकता है। युद्ध में अब संचार व्यवस्था का अपना अलग ही महत्व है। हालांकि भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अंतरिक्ष में हथियारों की होड़ का न तो समर्थक है और न ही वह ऐसा करेगा। उसने स्पष्ट कर दिया है कि यह सफलता सिर्फ रक्षात्मक पहल है। यहां इस बात का उल्लेख भी जरूरी है कि भारत ने जिस हथियार का अभी सफल परीक्षण किया है, उसे अमेरिका और सोवियत संघ न तो पिछली सदी के छठे दशक में ही विकसित कर लिया था। तब भी भारत चिन्तित नहीं हुआ। लेकिन जब 2007 में पड़ौसी चीन ने इस प्रणाली का सफल परीक्षण कर लिया तो भारत पर भी ऐसा करने का दबाव बढ़ना स्वाभाविक था और उसने वह कर दिखाया।

रक्षा उपग्रह एमिसैट

कहते हैं कि उपलब्धि जब हासिल होती है तो उसकी ऊंचाई नहीं, उसके परिश्रम के पीछे की गहराई को भी देखा जाना चाहिए। भारत ने अंतरिक्ष में उपग्रह को मार गिराने वाले हथियार के सफल परीक्षण के चार दिन बाद ही यानी 1 अप्रैल को इसरो ने इलेक्ट्रोनिक इंटेलीजेंस सैटेलाइट एमिसैट की लॉचिंग भी सफलतापूर्वक कर ली। इसे अंतरिक्ष में करीब 750 किमी दूर कक्षा में स्थापित किया गया है। एमिसैट जमीन पर इलेक्ट्रॉनिक सिग्नल को पकड़ता है। इससे दुश्मन के छिपे हुए रडार भी जल्दी ही निगाह में आ जाते हैं। इस एमिसैट से दुश्मन की सीमा में घुसकर (सर्जिकल स्ट्राइक) हमला करने की भारत की क्षमता और घातक हो गई है। इसका विकास डीआरडीओ ने 'प्रोजेक्ट कौटिल्य' के तहत किया है। इसे इजरायली खुफिया सैटेलाइट के मॉडल पर 8 वर्षों के अनवरत परिश्रम से तैयार किया गया है। यह सैकड़ों किमी की ऊंचाई से बर्फ और बारिश के बावजूद तटीय इलाकों, मैदानों, जंगलों पर आसानी से नजर रख सकता है।

सुरक्षा की प्रतिबद्ध पहल

'मिशन शक्ति' भारत के लिए अभूतपूर्व क्षण है। एंटी सैटेलाइट मिसाइल के सफल परीक्षण से भारत की वैज्ञानिक क्षमता और हमारे लोगों के सशक्तिकरण व सुरक्षा के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के उपयोग की प्रतिबद्धता झलकती है।

- रामनाथ कोविन्द, राष्ट्रपति

देश के अंतरिक्ष वैज्ञानिकों को मिशन शक्ति की सफलता के लिए बधाई। उपग्रहरोधी मिसाइल के सफल प्रक्षेपण से देश विश्व में एक अंतरिक्ष महाशक्ति के रूप में उभरा है।

- वैंकैया नायडू, उपराष्ट्रपति

वैज्ञानिकों ने दिखा दिया कि हम किसी से कम नहीं है। मिशन का मकसद शांति बनाए रखना है, युद्ध का माहौल बनाना नहीं बल्कि तेज गति से विकास की ओर बढ़ रहे हिन्दुस्तान की रक्षात्मक पहल है।

- नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

भारत का उपग्रहभेदी मिसाइल परीक्षण महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी विकसित करने में देश की बढ़ती क्षमताओं को दर्शाता है और यह कवच के तौर पर काम करेगा। यह बड़ी उपलब्धि है। परीक्षण के लिए उपयोग की गई प्रौद्योगिकी पूरी तरह स्वदेशी है।

- सतीश रेड्डी, अध्यक्ष, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन

मिशन शक्ति का सफ़र

21 नवम्बर, 1963 ▶ साइकिल पर रॉकेट : केरल में तिरुअनंतपुरम के करीब थंबा से पहले रॉकेट लॉन्च के साथ भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम शुरू हुआ। रॉकेट को लॉन्च पैड तक एक साइकिल से ले जाया गया था।

15 अगस्त, 1969 ▶ इसरो की स्थापना : डॉ. विक्रम साराभाई ने इसरो की स्थापना की। इसका मकसद अंतरिक्ष शोध के क्षेत्र में काम करना था। एसएलवी 3 भारत का पहला स्वदेशी सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल था।

22 अक्तूबर, 2008 ▶ चंद्रयान मिशन : चांद पर भेजे गए इसरो के पहले चंद्रयान मिशन को लॉन्च किया गया। इस दौरान चांद पर पानी की खोज हुई। इसकी साल 2009 में नासा ने भी पुष्टि की थी।

5 नवम्बर 2013 ▶ पहले प्रयास में सफल : मंगलयान का परीक्षण। 24 सितम्बर 2014 को मंगल पर पहुंचे। पहले प्रयास में ही सफल होने वाला भारत पहला देश बना।

22 जून, 2016 ▶ रिकॉर्ड बनाया : पीएसएलवी सी-34 के माध्यम से रिकॉर्ड 20 उपग्रह एक साथ छोड़े गए। पहली बार इसरो ने ऐसा किया।

15 फरवरी, 2017 ▶ 104 सैटेलाइट छोड़े : श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन स्पेस सेंटर के पहले लॉन्च पैड से भारत ने अंतरिक्ष में 104 सैटेलाइट छोड़े।

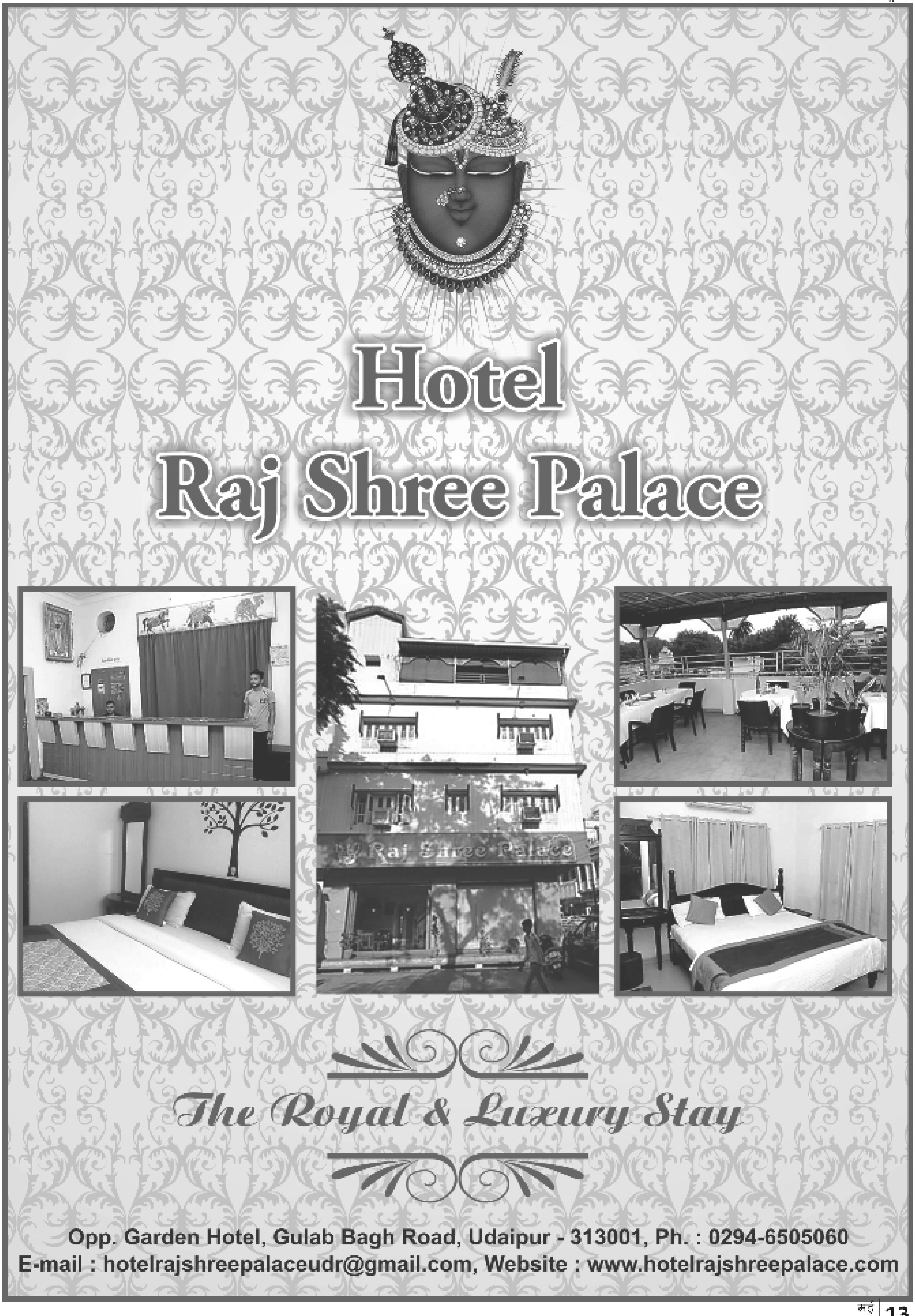
Hotel
Raj Shree Palace
Raj Shree Palace
The Royal & Luxury Stay
Opp. Garden Hotel, Gulab Bagh Road, Udaipur - 313001, Ph. : 0294-6505060
E-mail : hotelrajshreepalaceudr@gmail.com, Website : www.hotelrajshreepalace.com

असंगठित मज़दूरों की कौन लेगा सुध?

विश्व में हर साल 1 मई को 'दुनिया के मज़दूरों एक हो' का नारा जोर-शोर से सुनाई देता है और मज़दूरों और उनके परिवार के कल्याण सम्बन्धी घोषणाएं भी सरकारों की ओर से होती हैं। संगठित क्षेत्र के मज़दूरों के लिए वेतन का निर्धारण हुआ और वह उन्हें मिला भी, किन्तु असंगठित क्षेत्र आज भी इससे वंचित है। लेकिन भारत के परिप्रेक्ष्य में बात करें तो आज भी मज़दूरों का एक बड़ा हिस्सा रोटी, कपड़ा और मकान के लिए जूझ रहा है।

– बाल मुकुन्द ओझा

मजदूर हमारे समाज का वह तबका है जिस पर समस्त आर्थिक उन्नति टिकी होती है। वह मानवीय श्रम का सबसे आदर्श उदाहरण है। वह सभी प्रकार के क्रियाकलापों की धुरी है, आज के मशीनी युग में भी उसकी महत्ता कम नहीं हुई है। उद्योग, व्यापार, कृषि, भवन निर्माण, पुल एवं सड़कों का निर्माण आदि समस्त क्रियाकलापों में मजदूरों के श्रम का योगदान महत्त्वपूर्ण होता है।

आंदोलन बिखर गया – साम्यवादी शासित प्रदेशों में मजदूरों को पूरा नहीं तो आधा अधूरा न्याय अवश्य मिला। उनकी रोटी की मुश्किलें हल हुई और शिक्षा चिकित्सा के भी माकूल प्रबंध हुए। सातवें दशक में कई बार मजदूर आंदोलनों ने अंगड़ाई ली। विभिन्न विचार धाराओं से जुड़ी यूनियन एक हुई फलत मजदूरों का भला ही हुआ मगर उसके बाद मजदूर नेताओं में आपसी अहम की लड़ाई तेज हो गई। जॉर्ज फर्नांडीस, दत्तोपंत ठेंगड़ी और वामपंथी नेताओं के अस्त होते ही मजदूर आंदोलन भी बिखर गया। आज कोई सर्वमान्य नेता नहीं होने के कारण मजदूरों की लड़ाई ठंडी पड़ गई है।

मजदूर दिवस : अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस को अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के नाम से भी जाना जाता है। इसे पूरे विश्व भर में 1 मई को मनाया जाता है। मजदूरों के इस विश्वव्यापी आंदोलन से भारत भी अछूता नहीं रह सका। देश के स्वाधीनता आंदोलनों में मजदूरों की उल्लेखनीय भूमिका रही। हमारे यहां

मई दिवस का प्रथम आयोजन 1923 में हुआ। पहली मई को मदास के समुद्र तट पर आयोजित इस प्रथम मई दिवस समारोह के अध्यक्ष मजदूर नेता चेट्टीयार थे। इसके बाद राष्ट्रीय स्तर पर और संगठित रूप में इसका आयोजन 1925 में हुआ। उस समय से लेकर अब तक हमारे यहां मई दिवस का आयोजन प्रतिवर्ष उत्साह के साथ होता रहा है।

मजदूर संगठन – भारत में वर्तमान में एक दर्जन संगठन ऐसे हैं, जिन्हें केन्द्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है, इनमें इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस, भारतीय मजदूर संघ, हिन्द मजदूर सभा, ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन, लेबर प्रोग्रेसिव यूनियन, इंडियन ट्रेड यूनियन, इंडियन ट्रेड यूनियन काउंसिल, सेंटर फॉर इंडियन ट्रेड यूनियन, टेलीकॉम प्रोग्रेसिव यूनियन शामिल हैं। आजादी के बाद एस. ए. डांगे, ज्योतिर्मय बसु, ए. के. गोपालन, नंबूदरीपाद, एस एम बनर्जी, वी. वी. गिरी, ए. पी. शर्मा, पीटर अलवारिस, जॉर्ज फर्नांडीस, दात्तोपंत ठेंगड़ी, दत्ता सामंत, उमरावमल पुरोहित, सरीखे मजदूर नेताओं ने मजदूरों की भलाई के लिए जीवन पर्यन्त संघर्ष किया और उन्हें सफलता भी मिली। मजदूरों को आवास की सुविधा मिली। भोजन का स्तर भी सुधरा। बच्चों को शिक्षा सहित रहन-सहन के अच्छे अवसर मिले।

आंकड़े बताते हैं – मजदूरों के बड़े आंदोलन भी इस अवधि में देखने को मिले। भूख हड़ताल से भी देश गुजरा। कामगारों को अपने हक के लिए तमाम कुर्बानियां देनी पड़ी। इसका असर यह हुआ कि मजदूर पढ़ लिखने लगा, बच्चों को भी अच्छी शिक्षा मिली। साल 2012 के आंकड़े बताते हैं कि भारत में मजदूरों की कुल संख्या 4 करोड़ 87 लाख थी, जिनमें 94 प्रतिशत मजदूर असंगठित क्षेत्र के थे। आज असंगठित क्षेत्र का मजदूर 12 से 14 घंटे तक काम करने को मजबूर है। मौजूदा समय में भारत और अन्य मुल्कों में मजदूरों के 8 घंटे काम का कानून लागू है।

महात्मा गांधी ने कहा था – मजदूर अपना श्रम बेचता है। बदले में वह न्यूनतम मजदूरी प्राप्त करता है। उसका जीवन-यापन दैनिक मजदूरी के आधार पर होता है। जब तक वह काम कर पाने में सक्षम होता है तब तक उसका गुजारा होता रहता है। जिस दिन वह अशक्त होकर काम छोड़ देता है, उस दिन से वह दूसरों पर निर्भर हो जाता है। भारत में असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की न केवल मजदूरी कम होती है, अपितु उन्हें किसी भी प्रकार की सामाजिक सुरक्षा भी प्राप्त नहीं होती। महात्मा गांधी ने कहा था कि किसी भी देश की तरक्की उस देश के कामगारों और किसानों पर ही निर्भर करती है। उद्योगपति स्वयं को मालिक या प्रबंधक समझने की बजाय अपने आप को ट्रस्टी समझें। गुरु नानक देव जी ने किसानों, मजदूरों और कामगारों के हक़ में आवाज उठाई थी और उस समय के अहंकारी और लुटेरे हाकिम, ऊंट पालक की रोटी न खा कर उस का अहंकार तोड़ा और भाई लालों के काम की कमाई को सम्मान दिया था।

श्रम कानून : आजादी के बाद देश ने विज्ञान, कृषि, उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी, तकनीक सहित अनेक क्षेत्रों में तरक्की की, लेकिन इस तरक्की से कोसों दूर रहे मजदूर वर्ग को जीवन यापन के लिए आज भी कड़ी मशक्कत से गुजरना पड़ता है। देश के विकास में मजदूर वर्ग का एक बड़ा योगदान होने के बावजूद भी मजदूर वर्ग की निजी जिंदगियां विकास से अछूती रही हैं। दुनियां के मजदूरों एक हो का नारा हमने बुलंद किया। अनेक श्रम कानून बनाकर मजदूर वर्गों के कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया। संगठित क्षेत्रों में मजदूरों को इसका लाभ भी मिला मगर असंगठित क्षेत्र के मजदूर आज भी रोटी, कपड़ा और मकान के लिए तरस रहे हैं।

अब नहीं हैं नेता – आजादी के 70 वर्षों के बाद भी हम कामगारों को न्याय नहीं दिला पाए हैं। मगर असंगठित क्षेत्र के मजदूर आज भी अपने हकों से मरहूम हैं। आज उनके लिए फर्नांडीस, गोपालन या ठेंगड़ी जैसा नेता नहीं है। आजादी के शुरू के 50 वर्षों में मजदूरों के हितों के लिए लड़ाई लड़ने वाले नेता थे मगर आज दूर-दूर भी कोई संघर्षशील नेता दिखाई नहीं दे रहा है। अब तो मजदूरों को मई दिवस भूलना पड़ेगा या संघर्ष की कमान खुद ही संभालनी पड़ेगी तभी मई दिवस मनाना सार्थक होगा।

Meenakshi
GROUP

Meenakshi
Property Dealer

1, Reti Stand, Central Area, Udaipur (Raj.)

Phone : 0294-2486213, Fax : 0294-2583701

Website : www.meenakshiproperty.com E-mail : meenakshi.property@gmail.com

जवां दिखेंगे, दिमाग भी रहेगा तरोताजा

कनाडा के शोधकर्त्ताओं ने दवा बनाने में की कामयाबी हासिल

– डॉ. अनीता शर्मा

हर व्यक्ति अपनी उम्र से कम यानी जवान दिखने की चाहत रखता है। वहीं बढ़ती उम्र के साथ भूलने की आदत से भी लोग परेशान रहते हैं। लेकिन कनाडा के शोधकर्ताओं ने एक ऐसी दवा बनाने में कामयाबी हासिल की है जो जवां दिखने के साथ याददाश्त को भी तरोताजा रखेगी। यह कई अन्य बीमारियों से निजात दिलाने में भी मददगार होगी।

टोरंटो सेंटर फॉर एडिक्शन एंड मेंटल हेल्थ के शोधकर्ताओं ने अमेरिकन एसोसिएशन फॉर एडवांसमेंट ऑफ साइंस की वाशिंगटन डीसी में हुई बैठक में इस शोध को प्रस्तुत किया। शोधकर्ताओं का नेतृत्व करने वाले इटाइन सिबाइल का कहना है कि हमने जो दवा विकसित की है उसका असर केवल दिमाग से जुड़ी चीजों पर होगा क्योंकि यह उसके सेल पर असर करेगी। उनका कहना है कि यह कमजोर याददाश्त को सामान्य कर देगी। वर्तमान समय में याददाश्त को सामान्य करने वाली कोई विशेष दवा नहीं है। शोधकर्ताओं का कहना है कि अभी जो दवा इस्तेमाल की जाती है उसे सामान्य तौर पर वालियम कहा जाता है जो अवसाद और याददाश्त दोनों के लिए दी जाती है।

बच्चों में मोटापा बन रहा बीमारी

चीन में जन्मी बच्ची के हाथों पर मोटापे के कारण रोल बन गए हैं।

अगर आप बच्चों के खाने-पीने को लेकर सजग नहीं है और उन पर कोई रोक-टोक नहीं करते हैं तो यह आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। एक सर्वे के मुताबिक बच्चों में मोटापा बेहद तेजी से बढ़ रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन(डब्ल्यूएचओ) ने भी इसे 21वीं सदी की सबसे गंभीर बीमारी करार दिया है।

2016 के आंकड़ों के अनुसार द्वीपीय देश इस मामले में शीर्ष पर हैं। यहां बच्चों में मोटापे की दर 36.7 फीसदी है। कूक आईलैंड में 36.1, पलाऊ में 35.5, नियू में 33.3 फीसदी, मार्शल आइसलैंड 31.2, तुआलु 31.1, टोंगा 30.1 किरबती 27.5, माइक्रोनेसिया 25.2 और समोआ 24.9 फीसदी की दर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2016 के आंकड़ों के अनुसार युगांडा और इथोपिया दुनिया के ऐसे देश हैं, जहां बच्चों में मोटापे की दर एक फीसदी से भी कम है। बुर्किनाफोसा व कंबोडिया भी इसी सूची में शामिल हैं। इन देशों में पांच से नौ साल की लड़कियों में मोटापे की दर भी दो फीसदी कम है।

रिपोर्ट के मुताबिक यूरोप के 34 देश बच्चों में मोटापे की बीमारी से परेशान हैं। इन देशों में मोटापे की दर 20 फीसदी है। इनमें इटली, ग्रीस, साइप्रस, स्पेन, माल्टा और सैन मेरिनो आदि शामिल हैं।

चिंताजनक

मोटापे की वजह से लड़के और लड़कियां कम उम्र में ही यौवन में प्रवेश कर जाते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार मोटे लड़कों में यौवन के लक्षण नौ साल की उम्र से ही दिखने शुरू हो जाते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ चिली के शोधकर्ता मारिया वेरोनिका मेरिक के अनुसार बचपन में बढ़ते मोटापे की वजह से लड़कियों में नौ से दस साल की उम्र में ही मासिक धर्म शुरू हो जाते हैं। शोध के दौरान 527 लड़कों पर अध्ययन किया गया। पांच से छह साल की उम्र के मोटे लड़कों में 2.7 गुना तक यौवन जल्दी आने की संभावना बढ़ जाती है। वहीं जिन लड़कों के पेट के आसपास ज्यादा चर्बी जमा होती है उनमें यौवन जल्दी आने की संभावना 6.4 फीसदी तक बढ़ जाती है।

इन उपायों से दूर करें तनाव

– शांतिलाल शर्मा

दुनियाभर में तनाव विकराल रूप लेता जा रहा है। इसके चलते लोग मानसिक रोगों का शिकार भी बन रहे हैं। हालांकि इससे निपटने के लिए कई तरीके भी आजमाए जा रहे हैं। विशेष रूप से ऑफिस कर्मचारियों के लिए यह उपाय बहुत कारगर साबित हो सकते हैं।

कर्मचारियों को घेर रहा तनाव

60 फीसदी कर्मचारियों का कहना है कि वह औसतन पूरे हफ्ते में 3 या उससे ज्यादा दिन तनावग्रस्त महसूस करते हैं। पेरोल कंपनी पैचेक्स द्वारा कराये गए एक सर्वे के अनुसार 70 फीसदी कर्मचारी अपने तनाव के स्तर को 5 में से 3 अंक देते हैं। सर्वे के अनुसार 80 फीसदी लोग ऑफिस में इसलिए तनाव महसूस करते हैं क्योंकि वह अपने परिवार को ठीक से समय नहीं दे पाते। ज्यादातर कर्मचारियों की शिकायत रहती है कि काम के लंबे घंटों की वजह से उन्हें तनाव होता है।

म्यूजिक सुन तनाव से बचें

जब काम के दौरान ज्यादा तनाव हो तो टी ब्रेक लें और चाय पीते हुए अपने पंसदीदा गाने सुनें। कुछ देर के लिए अपने कम्प्यूटर की स्क्रीन से दूर रहें। इससे आप कुछ देर बाद तरोताजा महसूस करेंगे और काम के लिए फिर तैयार हो जाएंगे।

आंख बंद कर गहरी सांस लें

जब काम के दौरान तनाव हो तो अपनी सीट पर बैठकर आंखें बंदकर गहरी सांस लें। यह एक ऐसा व्यायाम है जो अंदर शांति लाता है और तनाव व डर को दूर करता है। विशेषज्ञों के अनुसार डीप ब्रीथिंग से भी मन को सुकून मिलता है।

10 अच्छी चीजों के बारे में लिखें

विशेषज्ञों के अनुसार रोज एक डायरी में 10 ऐसी चीजों के बारे में लिखें जो आपको खुशी देती हो। कुछ ऐसी बातों के बारे में लिखें जिनके लिए आप भगवान के शुक्रगुजार हों। इससे आप जीवन की अच्छी बातों पर फोकस कर पाएंगे और आपका तनाव कम होगा।

मेडिटेशन बहुत जरूरी

हर ऑफिस में एक्टिविटी कार्नर होता है जहां लोग थोड़ा रिलैक्स कर सकें। यहां जाकर 10 मिनट मेडिटेशन करें। ध्यान की मुद्रा में बैठें और आंखें बंद करके मेडिटेशन करें।

सबके साथ मिलकर लें भोजन का आनंद

आखिरी बार आपने अपने डेस्क से बाहर जाकर कब लंच किया था। डेस्क से उठें और कैंटीन या कैफेटेरिया में जाकर सबके साथ लंच करें। इससे आपको काम से आराम भी मिल जाएगा और लोगों के साथ हंसी-मजाक कर मन भी प्रसन्न भी हो जाएगा।

सेहत बनाएं सौंदर्य बढ़ाएं

- रेणु शर्मा

गर्मी के इस मौसम में आम, तरबूज, खरबूज, अंगूर ,पपीता, संतरा आदि फलों से बाजार गुलजार है। फलों के राजा 'आम' को तो देखते ही मुंह में पानी आ जाता है। ये फल हमारे भोजन का स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ विटामिन और अन्य पौष्टिक तत्वों से भरपूर होने के कारण सेहत तो बनाते ही हैं, सुन्दरता भी बढ़ाते हैं।

गर्मी के दिनों में धूप, धूल और पसीने से हमारी त्वचा खराब हो जाती है। इस मौसम में आने वाले फलों को सुबह नाश्ते में अथवा लंच के साथ लेने से सेहत में तो फायदा होता ही त्वचा को भी प्राकृतिक पोषण मिलता है। इन फलों का लेप बनाकर लगाने से त्वचा की चमक भी बढ़ जाती है।

आम : एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन ए से भरपूर सुपर फ्रूट आम त्वचा और आंखों के लिए फायदेमंद है। इसमें मौजूद विटामिन-सी त्वचा की टैनिंग दूर करता है। चेहरे की चमक बढ़ाने के लिए आम के गूदे में शहद, दही और हल्दी मिलाकर पैक तैयार करके चेहरे पर इसकी थोड़ी देर तक मसाज करें और 10-15 मिनट के बाद चेहरे को धो लें। यह त्वचा का रंग निखारने के साथ-साथ चेहरे की कोशिकाओं के रक्तसंचार में वृद्धि करता है और त्वचा के लचीलेपन को बढ़ाता है।

केला : यूं तो यह पूरे साल ही मिलता है। गर्मी के दिनों में केले को त्वचा पर इस्तेमाल से चेहरे की चमक में वृद्धि होती है। पके केले को चेहरे के अलावा सिर पर भी मैश करके आधे घंटे तक लगाने के बाद धो लें। इससे चेहरे के ब्लैकहैड्स भी दूर होते हैं।

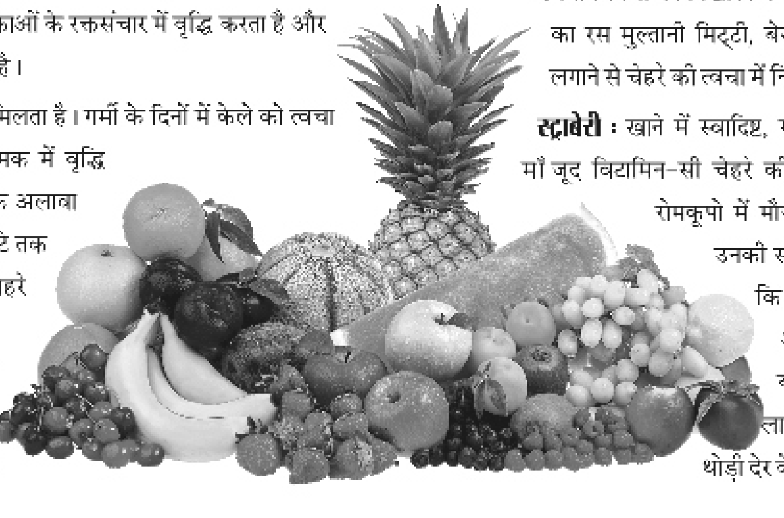

पाइन एप्पल : विटामिन सी से भरपूर पाइन एप्पल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स मुंहासे और चेहरे के दाग धब्बों को दूर करते हैं। इसमें मौजूद विटामिन-ए में एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल एजेंट होते हैं। यह दोनों तत्व त्वचा की टैनिंग से बचाते हैं। पाइन एप्पल के जूस का इस्तेमाल टोनर की तरह करें।

तरबूज : गर्मी के दिनों में शरीर को ठंडक पहुंचाने वाला तरबूज त्वचा के लिए भी फायदेमंद होता है। तरबूज के गूदे में शहद और मुलतानी मिट्टी मिलाकर चेहरे पर थोड़ी देर मसाज करें। 10 मिनट तक लगाकर रखें इसके बाद चेहरे को धो लें।

नींबू : गर्मी के दिनों में नींबू पीने से शरीर को ठंडक मिलती है। नींबू का उपयोग त्वचा को निखारने के लिए भी किया जाता है। नींबू का रस मुल्तानी मिट्टी, बेसन, शहद, दही में मिलाकर लगाने से चेहरे की त्वचा में निखार आता है।

स्ट्राबेरी : खाने में स्वादिष्ट, गहरे लाल रंग के स्ट्राबेरी में मौजूद विटामिन-सी चेहरे की त्वचा को साफ करता है। रोमकूपो में मौजूद धूल मिट्टी को हटाकर उनकी सफाई करता है, यही वजह है कि स्ट्राबेरी का इस्तेमाल स्क्रब और मास्क बनाने में होता है। योगर्ट में थोड़ा स्ट्राबेरी लाकर इसे चेहरे पर लगाएं और थोड़ी देर के बाद चेहरे को धो लें।

ब्लूबेरी : दिखने में छोटी लेकिन गुणों से भरपूर ब्लूबेरी में विटामिन–बी काफी मात्रा में पाया जाता है। यह बालों को लंबा, काला और घना बनाता है और स्कैल्प के रक्तप्रवाह में वृद्धि करता है। इसे प्रतिदिन अपने भोजन का हिस्सा बनाएं और काली और घनी केश राशि पायें।

चेरी : चेरी में भी एंटीऑक्सीडेंट्स पाये जाते हैं जो त्वचा के लिए फायदेमंद होते हैं। विभिन्न अध्ययन बताते हैं कि प्रतिदिन एक गिलास चेरी का जूस बुढ़ापे में चेहरे पर झुर्रियां आने से रोकता है। यह त्वचा की कोशिकाओं को पोषण देकर झुर्रियों से बचाव करता है।

पपीता : बारहों महीने मिलने वाले पपीता में त्वचा की सुंदरता को बढ़ाने वाले अनेक तत्व होते हैं। एक चम्मच पपीते के गूदे में शहद और मुल्तानी मिट्टी मिलाकर इसे चेहरे पर लगाएं और 10–15 मिनट के बाद चेहरे को धो लें। इससे चेहरे की झुर्रियां कम होती हैं।

संतरा : गर्मी के मौसम में मिलने वाला संतरा त्वचा की खूबसूरती के लिए फायदेमंद होता है। संतरे के ताजे टुकड़े चेहरे पर मलने से त्वचा साफ, मुलायम होती है।

□□□

करिश्मा कुदरत का

एक साथ छह बच्चों का जन्म

टेक्सास के ह्यूस्टन में एक महिला ने पिछले दिनों छह बच्चों को एक साथ जन्म दिया। दुनियाभर में 4.7 अरब में से कोई एक मामला ही ऐसा होता है जब कोई महिला छह बच्चों को जन्म देती है।

'द वुमेन्स हॉस्पिटल ऑफ टेक्सास' अस्पताल ने बताया कि थेलमा चैका ने सुबह चार बजकर 50 मिनट से सुबह चार बजकर 59 मिनट के बीच चार लड़कों और दो लड़कियों को जन्म दिया। थेलमा स्वस्थ हैं। अस्पताल के बयान के अनुसार बच्चों का वजन एक पौंड 12 औंस से दो पौंड 14 औंस के बीच है।

अस्पताल प्रशासन के मुताबिक थेलमा ने बच्चों को तीन बार में जन्म दिया है। शुरू के दो चरणों में चारों बेटे पैदा हुए। तीसरी बार जुड़वां बेटियां पैदा हुईं। बच्चों की हालत स्थिर है और उन्हें अस्पताल की नवजात गहन देखभाल इकाई में रखा गया है। थेलमा स्वस्थ हैं।

□□□

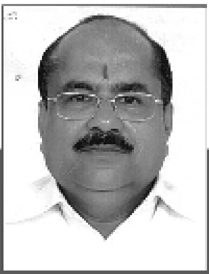

कांतिलाल जैन
(ब्रह्मचारी)

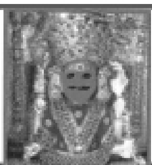

□□□ 0294-2410444
09414155797 (M)

श्री नाकोड़ा पार्श्वनाथ ज्योतिष कार्यालय

हस्तरेखा, तंत्र–मंत्र के प्रसिद्ध जैन साधनानुसार

मिलने का समय दोपहर 3 से सायं 7 बजे तक

नाकोड़ा रूप भवन

167, रोड नं. 11, अशोक नगर, माया मिष्ठान के पास, उदयपुर–313001 (राज.)

Ph: 022-24122857, 093220-90220 (M)
ब्लॉक नं. 10, केलकर बिल्डिंग,
नयागांव के.ए. हाउसिंग सोसायटी,
प्लॉट नं. 60–बी, एस.एम. जाधव मार्ग,
कृष्णा हॉल के सामने, दादर (ईस्ट) मुम्बई–14
रविवार चौकी एवं आरती

0941415797, 09322090220 (M)
A-901, वैशाली अपार्टमेन्ट,
भटार रोड, एल.बी. टॉकीज के पास,
संगीता स्टील के ऊपर,
सूरत–395007
रविवार चौकी एवं आरती

Phone :- 022-24123857
0941415797, 09322090220 (M)
100/3, 1st फ्लोर ICICI बैंक के पीछे,
बुल टेम्पल रोड, रामकृष्ण मठ
के पास, बैंगलोर
रविवार चौकी एवं आरती

अन्नदाता

फसल कटाई के बाद उसके चेहरे और खेत की ज़मीन में कोई ख़ास फर्क नहीं दिखाई दे रहा था। दोनों पर गड्ढे और रेशे। घर की चौखट पर बैठा धंसी हुई आंखों से वह कटी हुई फसल और काटने वाली ज़िन्दगी के अनुपात को मापने का प्रयास कर रहा था कि एक

चमचमाती कार घर के सामने आ खड़ी हुई। एक सफेद कुर्ता-पजामा धारी हाथ जोड़ता हुआ बाहर निकला और उसके पास आकर बोला, 'राम-राम काका।' और अपने कुर्ते की जेब से केसरिया रंग निकाल कर उसके ललाट पर लगा दिया। उसने अचंभित होकर पूछा, 'आज होली......'। उस व्यक्ति ने हँसते हुए उत्तर दिया, 'नहीं काका। यह रंग हमारे धर्म का है, इसे सिर पर लगाये रखिये। दूसरे लोग हमारे धर्म को बेचना चाहते हैं, इसलिए आप वोट हमें देना ताकि हमारा धर्म सुरक्षित रहें और हां! हम और सिर्फ हम ही आपके साथ हैं और कोई नहीं।'

सुनकर उसने हाँ की मुद्रा में गर्दन हिलाकर कहा, 'जी अन्नदाता।'

चमचमाती उस कार के जाते ही एक दूसरी शानदार कार उसके घर के सामने आई। उसमें से भी पहले व्यक्ति जैसे ही कपड़े पहने एक आदमी निकला। उसने उसके पास आकर उसकी आँखों और नाक पर सफेद रंग पोत दिया और बोला, 'देश को धर्म के आधार पर तोड़ने की साजिश की जा रही है। आप अपनी आंखें खुली रखें और देश की इज़्ज़त बचाये रखने के लिये हमें वोट दें और हाँ! हम और सिर्फ हम ही आपके साथ हैं और कोई नहीं।'

उसे भी अपने साथ पा वह मुस्कुरा कर बोला, 'जी अन्नदाता।'

उस व्यक्ति के जाते ही एक तीसरा आदमी अंदर आ गया। उसके चेहरे के रंगों को देखकर वह आदमी घृणायुक्त स्वर में बोला, 'तुम खुद अन्नदाता होकर गलत रंगों में रंगे हो! अपने लिए खुद आवाज़ उठाओ, और हाँ! सिर्फ हम ही हैं जो तुम्हारे साथ हैं।' कहकर उस आदमी ने उसके मुंह पर लाल रंग मल दिया।

वह प्रफुल्लित हो उठा। सभी तो उसके साथ थे।

उसने अपने बायीं तरफ देखा, वहां वह खुद ही खड़ा था और दाएं तरफ भी वही। अपने सभी ओर उसने खुद को ही खड़ा पाया। अलग-अलग रंगों से पुता हुआ उसका हर रूप अलग-अलग कुर्ता-पजामा धारियों के नाम के ढोल बजाता हुआ चल दिया, इस बात से अनभिज्ञ कि घर की चौखट पर एक रंगीन फंदे में लुढ़की हुई गर्दन लिए उसका जिस्म सड़ने लगा है।

- डॉ. चन्द्रेश छतलानी

(बेंगलुरु की एक हिन्दी संस्था से सम्मानित लघुकथा)

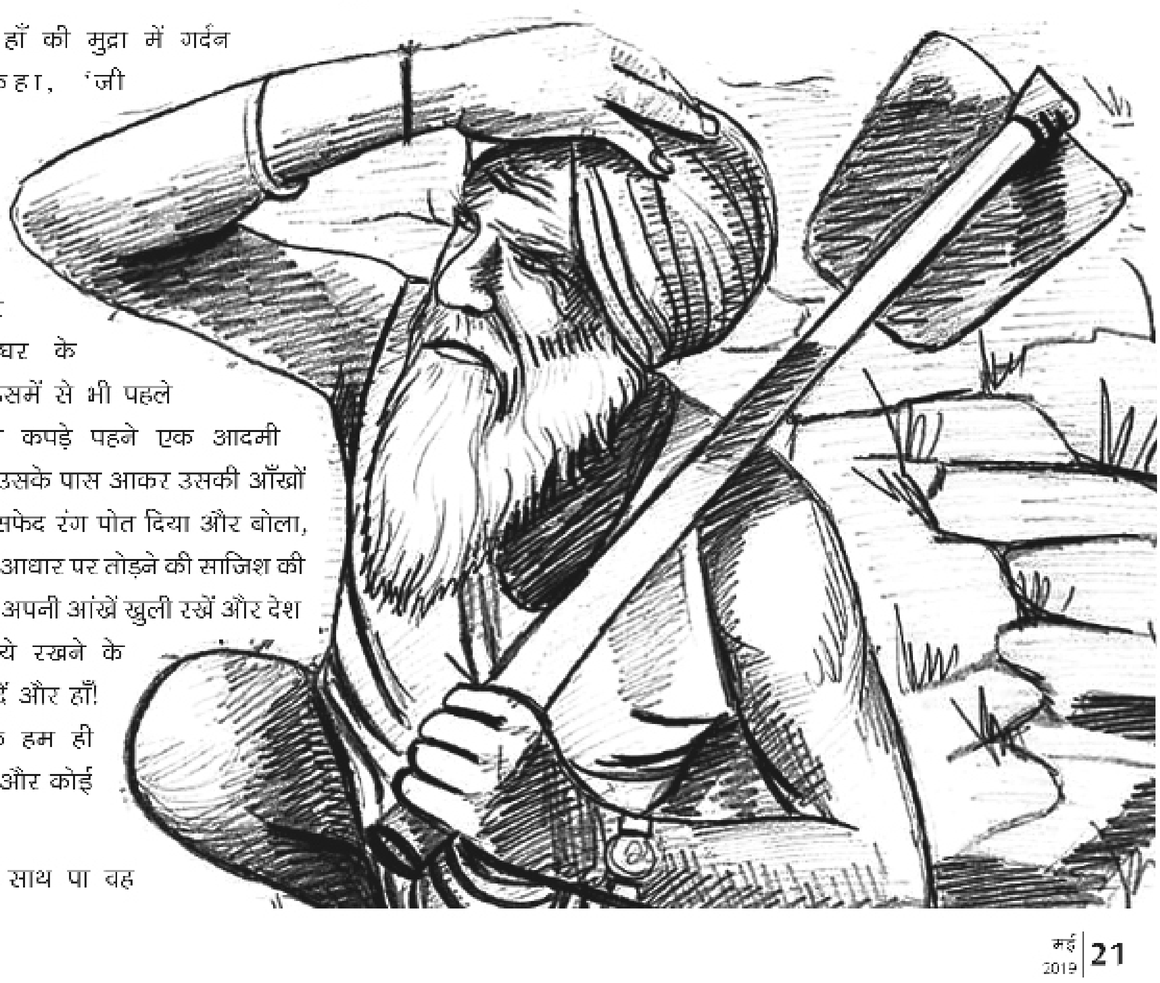

जगदीश बजाज
प्रदेश अध्यक्ष
राष्ट्रीय सिंधी समाज, राजस्थान

Since 1977

जगदीश मिष्ठान भण्डार

16, सारंग मार्ग, सूरजपोल, उदयपुर–313001, फोनः 0294–2414972
website : www.jmbudaipur.com

Ashok Jain 9214453927
Sanjay Jain 9414263666

Bright Home

"A" Class Govt. Contractor & Supplier

33-11KV Overhead Line Material, Industrial Lighting, HT & LT Cables, Cable Joint Kits, Control Panels, Transformers, Switchegers, G.O.D.O. Set

247/3, Bapu Bazar, Udaipur - 313001, Ph.: 0294-2422147, E-mail : bright_home@yahoo.com

पांच साल में मंगल पर बस्ती

– सुधीर जोशी

मंगल पर मानव बस्ती बसाने के लिए दुनियाभर की एजेंसियां रणनीति बना रही हैं। लेकिन हाल ही में वैज्ञानिकों ने एक आसान तरीका खोजा है, जिससे लाल ग्रह पर आसानी से इंसानी बस्ती बसाई जा सकेगी। आगामी पांच साल में ऐसा संभव होगा।

दिलचस्प बात है कि वर्तमान में मंगल तक पहुंचने के लिए बनाई गई रणनीतियों से यह तरकीब कम खर्चीली है। वैज्ञानिकों ने इसमें 90 प्रतिशत कम ईंधन की खपत होने का दावा किया है।

लागत बहुत ज्यादा : 19वीं शताब्दी से वैज्ञानिक मंगल पर बस्ती बसाने की महत्वाकांक्षा पूरी करने में जुटे हैं।

हालांकि, नासा मंगल पर बस्ती बसाने के लिए कई मसलों का सामना कर रही है, उसमें लागत सबसे बड़ा मुद्दा है। इंसानों को मंगल पर भेजने की लागत करीब 385 बिलियन पाउंड (350 खरब रुपये) होगी, जिसमें ईंधन का एक बड़ा हिस्सा होगा। मिशन को भेजने के लिए वैज्ञानिकों को दो से तीन साल पहले एडवांस में योजना बनाने की जरूरत होगी। वहीं, कम्प्यूटर साइंटिस्ट एरिका डेबेटिक्स के पास इसका साधारण समाधान है। इसका खुलासा उन्होंने टेड टॉक के मंच पर किया।

बेल्ट : वैज्ञानिकों ने कहा कि मंगल और बृहस्पति के बीच कहीं क्षुद्रग्रह बेल्ट है। क्षुद्रग्रह डिस्ट्रीब्यूशन में बड़े गैप (अंतराल) भी हैं, जहां कोई क्षुद्रग्रह नहीं है। अगर वहां गैप है और हम क्षुद्रग्रह को देखेंगे, तो यह हर चार साल में एक बार सूर्य के चारों ओर घूमता है।

डेबेडिक्टिस ने यह भी खुलासा किया कि बृहस्पति इस योजना में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। बृहस्पति हर 12 साल में एक बार सूर्य की परिक्रमा करता है, मतलब वह साथ-साथ होंगे।

क्या है कर्क वुड गैप

कर्कवुड गैप किसी भारी ग्रह की कक्षा और क्षुद्रग्रह के बीच प्रतिध्वनि के कारण होते हैं। बृहस्पति अपने गुरुत्वाकर्षण के साथ उन्हें स्थानांतरित करने में सक्षम है। ऑब्जेक्ट्स की कक्षाओं में हेर-फेर के लिए ग्रहों के गुरुत्वाकर्षण का इस्तेमाल किया जा सकता है।

अंतरिक्ष में बूस्टर पैक्स लॉन्च किए जाएंगे

वैज्ञानिक एरिका डेबेटिक्स ने कहा कि हम ईंधन के परिवहन के लिए ईंधन का ही इस्तेमाल कर रहे हैं। वास्तव में हमें फ्यूल ट्रांसपोर्ट के लिए धीमे लेकिन, प्रभावशाली फ्यूल का इस्तेमाल करना चाहिए। इंसानों को भेजने से पहले, हमें अंतरिक्ष में बूस्टर पैक्स लॉन्च करने चाहिए जिससे हमें ईंधन की क्षमता का पता लग सकेगा। इसके पांच साल बाद हम इंसानों भेजें तो बिना बड़ा बजट खर्च किए बड़े लाभ ले सकेंगे और मंगल पर बस्ती बसाने का सपना पूरा होगा।

दस तकनीक जो बदल देंगी दुनिया

माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स ने एमआईटी टेक रिव्यू 2019 के ब्रेकथ्रू लिस्ट का चुनाव किया है। इस सूची में उन दस तकनीकों के बारे में बताया गया है, जो 2019 में दुनिया बदल देंगी।

बात करने वाले एआई असिस्टेंट

इंसानों की भाषा में इंसानों की तरह बात करने वाले एआई असिस्टेंट जो आपका काम आसान बना देंगे।

लैब में बना मीट

लैब में मीट बनाकर और प्लांट आधारित मीट का इस्तेमाल कर खाने में मीट को कम किया जा सकेगा। मीट का उत्पादन दुनिया में कार्बन उत्सर्जन का बहुत बड़ा कारण है।

रोबोटिक हाथ

इस क्षेत्र का उद्देश्य ऐसे उपकरण बनाना है जो एआई की मदद से ज़िंदगी को आसान बना सके। जैसे, रोबोटिक हाथ जो आसपास के वातावरण को समझकर समय के साथ बेहतर काम करेंगे।

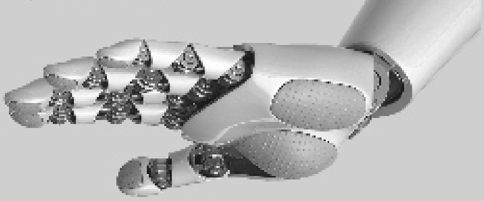

नई परमाणु ऊर्जा

इसमें न्यूक्लियर फिजन और फ्यूजन दोनों रिएक्टर को एक साथ डिजाइन किया जाएगा ताकि कार्बन उत्सर्जन को कम किया जा सके।

कार्बन का भंडारण

इसके इस्तेमाल से विभिन्न माध्यमों से उत्सर्जित होने वाले कार्बन को कैप्चर कर भूमिगत स्टोरेज साइट पर भंडारण किया जा सकेगा।

जांच करने वाली गोली

यह एक निगलने वाली गोली जैसा उपकरण होगा जो पाचन तंत्र और पेट के अंदर जाकर फोटो खींच सकेगा और साथ ही बायोप्सी भी कर सकेगा।

नवजात की जान बचेगी

एक आसान खून की जांच के द्वारा बच्चे के समय से पहले पैदा होने के बारे में पता चल जाएगा। इस तकनीक से कई बच्चों को जान बच पाएगी जो समय से पहले पैदा हो जाते हैं।

बिना सीवर के स्वच्छता

ऐसे टॉयलेट बनाने पर काम चल रहा है जो खुद ही गंदे पानी और मल-मूत्र का निपटारा कर देंगे। इससे सीवरों को जरूरत कम हो जाएगी।

ईसीजी घड़ी

यह एक ईसीजी उपकरण होगा जो घड़ी की तरह हाथ पर पहना जा सकेगा। यह हृदय संबंधी विकारों के बारे में आसानी से पता लगा सकेगा ताकि समय रहते उसका इलाज किया जा सके।

कैंसर रोधी वैक्सीन

यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता का इस्तेमाल कर सिर्फ कैंसर की कोशिकाओं का खात्मा करने की तकनीक है।

भंवरलाल खटीक
एम.डी.
94141-67281

हेमेन्द्र खटीक
डायरेक्टर
9887111453

धर्मेश खटीक
डायरेक्टर
9829511888

0294-2522108 (ऑफिस)
0294-2416281 (निवास)

प्रगति रियल मार्ट प्राइवेट लिमिटेड
भंवर सेवा संस्थान
स्व. सुशीला देवी खटीक चेरिटेबल ट्रस्ट

7, गुलाबेश्वर मार्ग, गली नम्बर 5, हाथीपोल, उदयपुर (राज.)

मनमोहक एवं सुगन्धित खुशबू जो आपके जीवन में लाये खुशहाली

250 Products Available

CHETAK HORSE

ISO 9001:2008 CERTIFIED

Archana®
Agarbatti

Since 1947

Registered office :
ARCHANA AGARBATTI NAVBHARAT INDUSTRIES

N.H. 76, Airport Road, Glass Factory Choraha,
UDAIPUR - 313001 (Rajasthan)
Customer Care Number : 0294-2492161, 2490899

E-mail : sales@archanaagarbatti.com
Website : www.archanaagarbatti.com
www.facebook.com/Archana Agarbatti

कुछ चमके
कुछ लुप्त हुए

उत्तर व दक्षिण की राजनीति में फिल्मी
सफलता बहुत कम के हाथ ही लगी। इ
दलों के टिकट पर चुनाव के मैदान में है
देओल, जयाप्रदा और हेमा

री एक महिला सांसद को तो नके निर्वाचन क्षेत्र में कितने त उनकी कर रहे हैं, जिनके और ट्रेक्टर चलते हुए सोशल भारतीय जनता पार्टी के मंचों ले' की बसंती के डायलॉग नी सीट पक्की करने वाली ाज्यसभा रास नहीं आई और आतुर थीं। भाजपा 2014 के सीट से उन्हें लोकसभा में आप' के दबदबे के आगे वे दी। तब उन्हें 'मथुरा' से उनकी कृष्ण नृत्य नाटिकाओं दिलाई। 2019 के चुनाव में वे उम्मीदवार हैं। लोकसभा में स में हिस्सा लेते हुए न उन्हें गया।

उत्तरप्रदेश की राजनीति में समाजवादी पार्टी से 2004 व 2009 में रामपुर की सांसद रही फिल्म अभिनेत्री जयाप्रदा का पार्टी में वरिष्ठ नेता आजम खान से हमेशा 36 का आंकड़ा रहा। जयाप्रदा को राजनीति में लाने का श्रेय आंधप्रदेश के स्व. मुख्यमंत्री एनटीआर को जाता है। जब सपा में उनका विरोध बढ़ा तो वे 2014 में कांग्रेस की देहरी ढोकने गई और मुरादाबाद से टिकट मांगा। इससे पहले अपने गॉड फादर एनटीआर का वास्ता देकर तेलगुदेशम पार्टी में भी अपने लिए संभावनाएं तलाशी किन्तु चन्द्रबाबू नायडू ने (एनटीआर के जमाता) यहां उनकी दाल नहीं गलने दी। तब उनके राजनैतिक संरक्षक अमर सिंह ने उन्हें चौधरी अजित सिंह के राष्ट्रीय लोकदल से बिजनौर से टिकट दिलवाया, किन्तु भारी पराजय से रूबरू होना पड़ा। भाजपा का दामन थाम कर जयाप्रदा अब अपने पुराने निर्वाचन क्षेत्र रामपुर से उम्मीदवार हैं।

सुनील दत्त की तरह तो नहीं किन्तु भारतीय जनता पार्टी में एक लम्बी सियासी पारी खेलने वालों में शॉटगन के नाम से फिल्म जगत में मशहूर शत्रुघ्न सिन्हा कुछ ही दिनों पहले भाजपा से अपना टिकट कट जाने से दुःखी होकर कांग्रेस में जा मिले और पटना साहिब से उम्मीदवारी लपक ली। आश्चर्य तो इस बात क है कि राजनीतिक मंचों से अब तक दूरी बनाएं रखने वाली उनकी धर्मपत्नी के लिए भी उन्होंने अपनी पार्टी कांग्रेस की बजाए प्रतिद्वन्द्वी सपा से टिकट पक्क करवाया और वे लखनऊ से गृहमंत्री राजनाथ सिंह से मुकाबला कर रही हैं। राजनीति मे अनैतिकता की इससे बड़ी कोई दूसरी क्या मिसाल हो सकती है।

भाजपा ने शत्रुघ्न को दो बार राज्यसभा में भेजा। 1999 में अटलजी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में उन्हें स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री भी बनाया गया। लेकिन मोदी राज में उनकी तिमारीदारी न होने पर वे पार्टी और नरेन्द्र मोदी के विरोध में मुखरित हो गए। ऐसा उन्होंने शायद दबाव बनाने के लिए किया। जिस पार्टी में कतिपय दिग्गज भी मूकदर्शक(मार्गदर्शक) की भूमिका में बाध्य हो गए हों, वहां बिहारी बाबू की बिसात ही क्या? फिल्मों में सामने खड़े किरदारों को 'खामोश' करने वाले शॉटगन ने खुद अपनी 'खामोशी' राहुल गांधी के साथ मंच साझा कर तोड़ी। पटना साहिब की सीट पर इनके सामने भाजपा के कद्दावर नेता केन्द्रीय मंत्री रविशंकर हैं। इस चुनाव में यह देखना दिलचस्प होगा कि उनकी व्यक्तिगत ताकत, स्टार की छवि और दो बार इसी सीट से सांसद रहने का उन्हें कितना फायदा मिलता है। कांग्रेस उम्मीदवार होने के कारण लालू परिवार यानी राजद का भी उन्हें सहयोग मिलेगा। जहां तक रविशंकर का सवाल है, कई मंत्रालयों का सफलतापूर्वक उन्होंने कामकाज तो संभाला लेकिन लोकसभा का एक भी बार चुनाव नहीं जीता। वह तीनों बार राज्यसभा के लिए ही चुने गए। शत्रुघ्न सिन्हा सांसद निधि को खर्च करने में तो 16वीं लोकसभा के अन्य सदस्यों से काफी आगे हैं। लेकिन पिछले पांच साल में अपने निर्वाचन क्षेत्र को लेकर एक भी सवाल नहीं पूछा और न ही किसी चर्चा में हिस्सा लिया। इससे पता चलता है कि वे अपने निर्वाचन क्षेत्र के प्रति कितने फिक्रमंद रहे हैं।

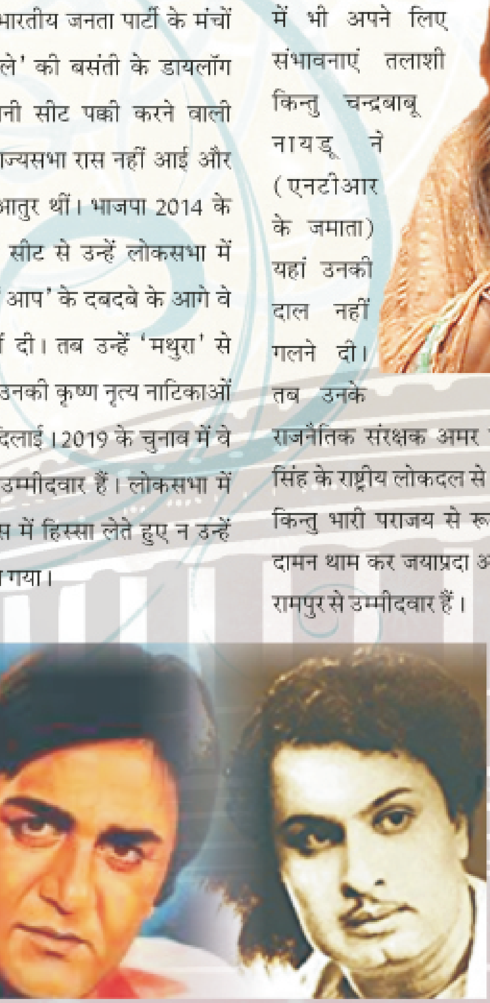

राजनीति में सबसे लम्बी पारी स्व. सुनील दत्त ने कांग्रेस के मंच से खेली। मुम्बई से अमृतसर के स्वर्ण मन्दिर तक पद यात्रा कर उन्होंने राजनीति की शुरूआत की। मुम्बई उत्तर-पश्चिम सीट से वे कभी नहीं हारे। 1984 से 2004 तक वे पांच बार सांसद रहे। राजनीति में उनका न कोई गुट था न कोई पद लिप्सा। हमेशा राष्ट्रहित के मुद्दों पर तार्किक बहस करते रहे। अपने क्षेत्र के लोगों की हर समस्या को अपना मानकर उसका निस्तारण किया। खुशमिज़ाज और संवेदनशील सुनील दत्त आखिरी दिनों में खेल व युवा मामलों के मंत्री भी बनाए गए।

Director
Dr. D.C. Sharma
MD (Medicine)
DM (Endocrinology) AIIMS, Delhi
Former Prof. & Head Endocrinology,
RNT Medical College, Udaipur

डॉ.डी.सी.शर्मा

डायबिटीज़, थायरॉइड व हॉर्मोन्स हॉस्पिटल

सृजन हॉस्पिटल

डायबिटीज़ क्लिनिक

थायरॉइड रोग

मोटापा Obesity

अनचाहे बाल

ठिगनापन व विकास

सेक्स व यौन हॉर्मोन्स
सम्पर्क: 09468707189

गर्भावस्था में डायबिटीज़ व थायरॉइड रोग

डायबिटीज़ फुट (पाँव) थायरॉइड व अन्य ऑपरेशन

ब्लड प्रेशर क्लिनिक

नवीनतम उपचार व तकनीक

डायबिटीज़ चेकअप पैकेज, डायबिटीज़ एक्जीक्यूटीव चेकअप पैकेज
थायरॉइड पैकेज, सेक्स हॉर्मोन्स चेकअप पैकेज
सामान्य हेल्थ चेकअप पैकेज

उत्तरी भारत का सर्वश्रेष्ठ डायबिटीज़, थायरॉइड, सेक्स व हॉर्मोन्स हॉस्पिटल

111, आनन्द नगर, आयड़, लेकसिटी मॉल के सामने, उदयपुर (राज.)

फोन : 0294-2429690, 2429850, M.: 09468707189, 08949068184

www.drdcsharma.in srajanhospitalidth@gmail.com

पृष्ठ 27 का शेष ...

फिल्मों में एक लम्बी पारी खेल चुकी उर्मिला मतोंडकर भी इस बार कांग्रेस के टिकट पर उत्तर-मुम्बई की सीट से चुनाव मैदान में हैं। राजनीति में गोते खाने की कोशिश समय-समय पर कुछ और सितारों ने भी की जिनमें कुछ सफल रहे तो अमिताभ बच्चन, राजेश खन्ना और गोविन्दा जैसे दिग्गजों ने चुनाव जीत कर भी बाद में राजनीति से तौबा कर ली। हालांकि अमिताभ की पत्नी जया बच्चन, मुलायम सिंह यादव व अमरसिंह की नजदीकी की वजह से राज्यसभा में सुशोभित होती रही हैं। लेकिन राष्ट्रीय राजनीति में उनका उल्लेखनीय अवदान शायद नहीं है। हालांकि अपने ज़माने की मशहूर अभिनेत्रियां नरगिस, रेखा और शबाना भी सरकार से सम्मान स्वरूप राज्यसभा में रह चुकी हैं।

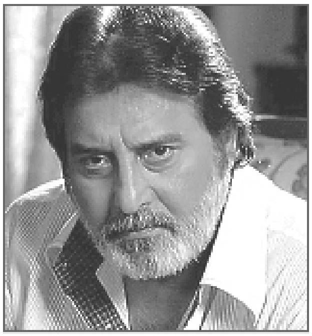

विनोद खन्ना ने जरूर सियासत में सिक्का जमाया। भाजपा के टिकट पर वे गुरूदासपुर(पंजाब) से तीन बार चुनाव जीते। एनडीए सरकार में संस्कृति व पर्यटन मंत्रालय में राज्यमंत्री भी रहे। 2009 में वे हारे किन्तु 2014 में पार्टी ने फिर उन्हीं पर दांव खेला और वे चुनाव जीत गए। 27 अप्रेल 2017 को गंभीर बीमारी के चलते दुनिया से कूच कर गए। सलमान खान के साथ हिट फिल्म 'बागी' देने वाली नगमा की गाड़ी हिन्दी फिल्मों में आगे नहीं बढ़ पाई तो राजनीति की ओर कदम बढ़ा दिए। 2014 में उन्होंने कांग्रेस टिकट पर मेरठ से चुनाव लड़ा और हार गई। आज वे राजनीति में कहीं नहीं हैं। वैजयन्ती

माला जरूर अस्सी के दशक में दो बार दिल्ली और तमिलनाडु से लोकसभा में पहुंची थी। सन् 2014 में मुनमुन सेन ने तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में बांकुरा(प. बंगाल) लोकसभा सीट पर कब्जा किया। जबकि हिन्दी बांग्ला फिल्मों के अपने जमाने के सुपर स्टार विश्वजीत नई दिल्ली से चुनाव हार गए। 2009 में समाजवादी पार्टी के टिकट पर भोजपुरी फिल्मों के अभिनेता-गीतकार मनोज तिवारी ने गोरखपुर से चुनाव लड़ा लेकिन वोटों के भारी अन्तर से हार गए और अन्ततः 2014 में भाजपा की शरण में आए और उत्तर-पूर्वी दिल्ली से चुनाव लड़ा और जीते। भोजपुरी फिल्मों के लोकप्रिय

अभिनेता रविकिशन ने पिछले चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर जौनपुर से किस्मत आजमाई थी। लेकिन हार गए। अब वे भाजपा के झंडे तले गोरखपुर से ताल ठोक रहे हैं। भोजपुरी सिनेमा के ही जुबली स्टार दिनेश लाल यादव ऊर्फ निरहुआ हाल ही में भाजपा में शामिल हुए हैं। इन्हें आजमगढ़ सीट से चुनाव मैदान में उतारा गया है। जहां इनका मुकाबला समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से होगा। भोजपुरी सिनेमा के महानायक कुणाल सिंह इस बार चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। हिन्दी-गुजराती फिल्मों के नामचीन चेहरे परेश रावल को भाजपा ने पिछली बार गुजरात से चुनाव लड़ाया था। उड़िया फिल्मों के अभिनेता विजय मोहंती को भुवनेश्वर से तो अपराजिता मोहंती को कांग्रेस ने कटक से प्रत्याशी बनाया है। कहने का अभिप्राय यह है कि राजनीतिक दल सिर्फ वोटों को भुनाने के लिए फिल्मी चेहरों को मैदान में लाते रहे हैं, अन्यथा उनमें से ज्यादातर का जनता से कोई संवाद-जुड़ाव नहीं रहता। राजस्थान के बीकानेर से धर्मेन्द्र भाजपा के टिकट पर 2004 में चुने गए

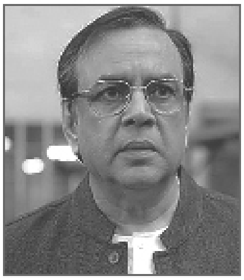

लेकिन क्षेत्र की जनता से उनका मेल-मिलाप बहुत ही कम रहा। इस बार इनकी पत्नी तो मथुरा से चुनाव लड़ ही रही हैं, बेटे सनी देओल को भी भाजपा ने गुरूदासपुर (पंजाब) से चुनाव मैदान में उतारा है।

दक्षिण भारत की बात करें तो एमजीआर, करूणानिधि, जयललिता और एनटी रामाराव फिल्मों के लोकप्रिय कलाकार तो रहे ही, बाद में मुख्यमंत्री बन कर भी उन्होंने अपने प्रदेश की लम्बे समय तक सेवा की। हालांकि बाद में विजयकांत, चिरंजीवी, पवन कल्याण, कमल हासन सहित अन्य कलाकारों ने राजनीति में पैठ बनाने की कोशिश की और आज भी कर रहे हैं लेकिन सफलता का उन जैसा मुकाम आज तक कोई न पा सका जिनका जिक्र हमने ऊपर किया है।

www.rkivf.com
info@rkivf.com

क्या आप वर्षों से आतुर हैं
सुनने को

मम्मा
पापा

टेस्ट ट्यूब बेबी उन महिलाओं के लिए -
- जिनकी उम्र अधिक है
- महावारी बंद हो गई है
- ट्यूब ब्लॉक है
- PCOD से ग्रसित है
- बच्चेदानी से टी.बी. या गांठ है
- सभी रिपोर्ट नार्मल होने के बावजूद भी माँ नहीं बन पाना

टेस्ट ट्यूब बेबी से वे पुरूष भी पिता बन सकते है -
- जिनके वीर्य में शुक्राणु कम हैं अथवा निल हो
- नसबंदी का ऑपरेशन करा चुके हो
- सेक्स संबंधित कमी हो

टेस्ट ट्यूब बेबी/ IVF प्रक्रिया अब ₹ 15,000/-
(Medicine Consumables Cost Extra.) T&C apply

Helpline No. 08107099997
07742799997, 0294-6950097

● 57 वर्ष की उम्र में लक्ष्मी देवी# को विवाह के 44 वर्ष बाद मिला संतान सुख ● गीता देवी# के जन्म से ही माहवारी न आने के बावजूद विवाह के 22 वर्ष पश्चात् मिला मातृत्व सुख ● कई बार टेस्ट ट्यूब बेबी में असफल, लता देवी# को पहली बार में मिला संतान सुख ● निल शुक्राणु के बावजूद टेस्ट ट्यूब बेबी इक्सी (ICSI) पद्धति द्वारा, गौतम जी# स्वयं के शुक्राणु से पिता बने ब्लॉक ट्यूब के बावजूद सोहन देवी# को मिला माँ बनने का सुख। ● उच्च सफलता दर ● किसी भी जगह टेस्ट ट्यूब बेबी करवाने से पहले संस्थान के परिणाम जरूर जाँच लें। (# बदले हुए नाम)

आर. के हॉस्पीटल एवं टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर
5 ए, मधुबन बिजली विभाग खिड़की के सामने, उदयपुर - 313001 (राजस्थान)

उदयपुर रेल्वे स्टेशन एवं बस स्टेशन से निःशुल्क पिकअप के लिए फोन करें : 07742099997।
कन्या बचाओं, बेटी बचाओं अभियान में सहयोग करें। भ्रूण लिंग परीक्षण करवाना जघन्य अपराध है, यह कार्य हमारे यहां नहीं किया जाता है।

RK IVF

चुनें लकी मोबाइल नंबर..

– ज्योतिर्विद पं. दयानन्द शास्त्री

जीवन में भाग्य का साथ मिलना बेहद जरूरी है। क्योंकि यदि भाग्य साथ नहीं तो कितनी भी मेहनत कर ली जाए उसका सार्थक परिणाम प्राप्त नहीं हो सकता। जिस प्रकार नाम का महत्व होता है उसी प्रकार जीवन में अंकों का भी महत्व होता है। इसलिए जरूरी है कि आपका मोबाइल नंबर ऐसा नंबर हो जो आपके जीवन के अंकों से मेल खाता हो और आपका भाग्यशाली नंबर हो। अंक ज्योतिष के द्वारा विभिन्न अंकों का आपके जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है और उनका आपके जीवन में क्या महत्व है, जिसके आधार पर आप अपना लकी मोबाइल नंबर जान सकते हैं। जानिए कौन सा नंबर आपके लिए भाग्यशाली होगा ?

जब भी आप मोबाइल कनेक्शन(नम्बर) लेते हैं तो नंबर लेते समय इस बात का ध्यान रखें कि मोबाइल का नंबर जिन-जिन अंकों से मिलकर बना है उनका आपके जीवन पर कैसा प्रभाव पड़ता है। इसके लिए आपको अपनी जन्मतिथि के अनुसार अपने मूलांक और भाग्यांक से मिलता हुआ अथवा उनके लिए शुभ और भाग्यशाली अंक का मोबाइल नंबर उपयोग करना चाहिए।

क्या हैं मूलांक और भाग्यांक ?

लकी मोबाइल नंबर के बारे में जानने से पहले हमारे लिए जानना आवश्यक है कि मूलांक और भाग्यांक क्या है ? इसको हम एक उदाहरण के द्वारा आसानी से समझ सकते हैं –

व्यक्ति की जन्म की तारीख के अंकों का योग मूलांक और पूरी जन्म तिथि के अंकों का योग भाग्यांक कहलाता है। कुल योग को तब तक जोड़ते जाते हैं जब तक कि उत्तर 1 से 9 के बीच में ना आ जाए।

उदाहरण के लिए यदि जन्म तिथि 22 अप्रैल 1983 है तो मूलांक होगा 2+2 = 4 और भाग्यांक होगा 2+2+4+1+9+8+3 =29 = 2 + 9 = 11 = 1 + 1 = 2

अर्थात 22 अप्रैल 1983 को जन्मे व्यक्ति का मूलांक 4 और भाग्यांक 2 होगा। क्योंकि यहां भाग्य अंक अर्थात भाग्य का अंक दो है अत: व्यक्ति के जीवन में 2 अंक बहुत महत्वपूर्ण होगा क्योंकि इसी से उसके भाग्य की उन्नति होगी।

कैसे चुनें या जानें लकी नंबर ?

अब जिस प्रकार आपने अपना भाग्य अंक ज्ञात किया है उसी प्रकार अपने मोबाइल के अंकों के योग को तब तक जोड़ते जाएं जब तक कुल अंक 1 से 9 के बीच में ना प्राप्त हो जाए।

जैसे- यदि किसी व्यक्ति का मोबाइल नंबर 9431876941 है तो इस मोबाइल नंबर के अंकों का कुल योग होगा 9+4+3+1+8+7+6+9+4+1=52 = 5+2 = 7

अर्थात इस मोबाइल नंबर का योगांक अथवा शुभांक 7 हुआ। वैसे तो 7 अंक शुभ माना जाता है लेकिन विशेष रूप से यह अंक उन लोगों के लिए अधिक शुभ होगा जिनका भाग्यांक 7 हो अथवा 7 से मित्रता रखने वाला हो।

नंबर लेते समय रखें ध्यान

जब भी कोई नया मोबाइल कनेक्शन लेने जाएं तो कुछ बातों का अवश्य ध्यान रखें जैसे मोबाइल के अंक यदि आरोही अर्थात बढ़ते हुए क्रम में होंगे तो आप के जीवन में उन्नति प्राप्त होगी इसके विपरीत यदि अंक अवरोही अर्थात घटते हुए क्रम में होंगे तो जीवन में परेशानियां और कष्ट आ सकते हैं।

मोबाइल में 8 का अंक बार-बार आता है तो यह अनलकी नंबर होता है। इसके कारण जीवन में परेशानियां बढ़ सकती हैं और विभिन्न समस्याओं और आलोचनाओं का शिकार होना पड़ सकता है। हालांकि भाग्यांक 8 अंक वालों के लिए यह शुभ होता है। इसके विपरीत यदि मोबाइल में 9 का अंक है तो यह अत्यधिक शुभ है। इसके कारण आपके ज्ञान, धन-धान्य में वृद्धि होती है तथा भाग्य आपका साथ देता है। मोबाइल नंबर की संख्या में 8का अंक कम से कम हो और 9 का अंक अधिक से अधिक।

भाग्यांक से जानें लकी मोबाइल नंबर

ऊपर हमने बताया कि आप कैसे अपना भाग्यांक जान सकते हैं। अब हम आपको बताएँगे कि आपको अपने भाग्य अंक के अनुसार कौन-कौन से योगांक अथवा शुभांक वाला मोबाइल नंबर लेना चाहिए और कौन सा अंक नहीं लेना चाहिए। इसके साथ ही आप निम्नलिखित विवरण से यह भी जान सकते हैं कि आपको अपना मोबाइल किस तिथि को और किस दिन लेना ज्यादा शुभ रहेगा और किस दिन नहीं।

यदि भाग्यांक 1 है तो आपके लिए शुभ महीने जनवरी, मार्च, मई, जुलाई और अक्टूबर हैं। शुभ दिन रविवार और गुरूवार है तथा शुभ तारीखें 1, 10, 19 और 28 हैं। आपके लिए अशुभ महीने फरवरी और नवंबर, अशुभ दिन सोमवार और शनिवार तथा अशुभ तारीखें 2, 9, 11 और 13 हैं।

यदि भाग्यांक 2 है तो आपके लिए शुभ महीने फरवरी, अप्रैल, अगस्त और नवंबर है।शुभ दिन तथा सोमवार और बुधवार तथा शुभ तारीखें 2, 4, 8, 11, 16, 20 हैं। आपके लिए अशुभ महीने जनवरी, मई, और जून, अशुभ दिन गुरूवार और शनिवार तथा अशुभ तारीखें 1, 3, 7 हैं।

यदि भाग्यांक 3 है तो आपके लिए शुभ महीने मार्च, मई, जुलाई, जून, सितंबर और दिसंबर है। शुभ दिन मंगलवार और शुक्रवार तथा शुभ तारीखें 3, 6, 9, 12, 15 हैं। आपके लिए अशुभ महीने जनवरी, फरवरी, अशुभ दिन सोमवार और शनिवार तथा अशुभ तारीखें 1, 8, 14 हैं।

यदि भाग्यांक 4 है तो आपके लिए शुभ महीने फरवरी, अप्रैल और अगस्त है। शुभ दिन सोमवार और बुधवार तथा शुभ तारीखें 2, 4, 8, 13, 16हैं। आपके लिए अशुभ महीने जनवरी, मार्च, सितंबर तथा अशुभ दिन मंगलवार और शुक्रवार तथा अशुभ तारीखें 1, 15, 21 हैं।

यदि भाग्यांक 5 है तो आपके लिए शुभ महीने जनवरी, मार्च, मई और जुलाई है। शुभ दिन बुधवार, बृहस्पतिवार और शनिवार तथा शुभ तारीखें 5, 10, 14, 19 हैं। आपके लिए अशुभ महीने अगस्त, सितंबर तथा अशुभ दिन सोमवार और मंगलवार तथा अशुभ तारीखें 1,11, 18हैं।

यदि भाग्यांक 6 है तो आपके लिए शुभ महीने जून और सितंबर है। शुभ दिन मंगलवार और शुक्रवार तथा शुभ तारीखें 6, 9, 15, 18हैं। आपके लिए अशुभ महीने जनवरी, मार्च और मई तथा अशुभ दिन सोमवार और बुधवार तथा अशुभ तारीखें 1, 2, 5हैं।

यदि भाग्यांक 7 है तो आपके लिए शुभ महीने मार्च,जुलाई और दिसंबर है। शुभ दिन बुधवार और शनिवार तथा शुभ तारीखें 1, 7, 8, 11 हैं।

आपके लिए अशुभ महीने फरवरी, सितंबर और नवंबर, अशुभ दिन गुरूवार और शुक्रवार तथा अशुभ तारीखें 5, 15, 25 हैं।

यदि भाग्यांक 8 है तो आपके लिए शुभ महीने जनवरी, फरवरी, अप्रैल और अगस्त है। शुभ दिन सोमवार और बुधवार तथा शुभ तारीखें 4, 8, 16, 17, 26हैं। आपके लिए अशुभ महीने मार्च, सितंबर, अशुभ दिन शुक्रवार, शनिवार तथा अशुभ तारीखें 1, 3, 11 हैं।

यदि भाग्यांक 9 है तो आपके लिए शुभ महीने मार्च, जून तथा सितंबर है। शुभ दिन मंगलवार और शुक्रवार तथा शुभ तारीखें 9, 15, 18 हैं। अशुभ महीने जुलाई, अगस्त एवं अशुभ दिन सोमवार, गुरूवार तथा अशुभ तारीखें 1, 4, 21 हैं।

लकी नंबर का चयन

यदि आप अपने कार्य क्षेत्र के अनुसार भी लकी नंबर का चुनाव करना चाहते हैं तो नीचे दिए हुए विवरण को ध्यान से पढ़ें और जानें कि किस व्यवसाय के लिए कौन सा अंक आपका लकी नंबर होगा

- ❖ यदि आप प्रशासनिक अधिकारी अथवा राजनेता हैं तो आपके लिए लकी नंबर होगा 1, 2, 3 तथा 9 और अनलकी नंबर होगा 6 और 8
- ❖ यदि आप मीडिया के क्षेत्र से जुड़े हैं अथवा सेल्समैन हैं या सर्विस इंडस्ट्री से जुड़े हैं तो आपके लिए लकी नंबर होंगे 2,1, 5 तथा अनलकी नंबर होंगे 4, 7
- ❖ यदि आप शिक्षा के क्षेत्र से संबंधित है अथवा किसी धार्मिक कार्य अथवा समाज सेवा में संलिप्त हैं तो आपके लिए लकी नंबर होंगे 3, 6, 9 तथा अनलकी नंबर होंगे 2, 5, 7
- ❖ यदि आप मध्यस्थता का कार्य करते हैं अथवा सरकारी विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हैं अथवा कमीशन एजेंट हैं तो आपके लिए लकी नंबर होंगे 4, 5, 6और अनलकी नंबर होंगे 1, 2, 3
- ❖ यदि आप खाद्य पदार्थों का कार्य करते हैं अथवा किसी स्थान पर आप लिपिक हैं तो आपके लिए लकी नंबर होगा 1, 5, 6और अनलकी नंबर होगा 2
- ❖ यदि आप अभिनय के क्षेत्र से जुड़े हैं अथवा जौहरी हैं अथवा होटल व्यवसाय का कार्य करते हैं तो आपके लिए लकी नंबर होंगे 5, 6, 8 तथा अनलकी नंबर होंगे 1, 2
- ❖ यदि आप किसी सरकारी विभाग में तृतीय श्रेणी के कर्मचारी हैं अथवा आप मैकेनिक हैं तो आपके लिए लकी नंबर होंगे 7, 9 तथा अनलकी नंबर बन 5, 6
- ❖ यदि आप पशु व्यापारी पशुपालक, तर्कशास्त्री अथवा ठेकेदारी का कार्य करते हैं तो आपके लिए लकी नंबर होंगे 5, 6, 8 तथा अनलकी नंबर होंगे 1, 2, 9
- ❖ यदि आप किसी टीवी चैनल, सुरक्षा एजेंसी या चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े हैं तो आपके लिए लकी नंबर होंगे 9, 7 तथा अनलकी नंबर होंगे 5, 6
- ❖ इस प्रकार आप अंक शास्त्र के द्वारा अपना लकी मोबाइल नंबर जान सकते हैं और उस नंबर को प्राप्त करने के बाद अपने जीवन में सुख, समृध्दि और तरक्की के द्वार खोल कर भाग्य बदल सकते हैं।

❑❑❑

KHICHA PHOSCHEM LTD.

204, Vinayak Business Centre, Fatehpura, Pulla Road, Udaipur - 313001 (Raj.)
Phone : 0294-2452151 (O) 6451366, 6451377, 2451332 (R)
(W) Madri : 0294-2490829, 6451257 Fax : 0294-2452149
E-mail : khichaphoschem@rediffmail.com, Website : www.khichaphoschem.com

विवाह की रस्मों में वैज्ञानिकता

- राजकुमारी शर्मा

भारतीय समाज के 16 संस्कारों में एक महत्वपूर्ण संस्कार पाणिग्रहण भी है। विवाह की अनेक रस्मों में महज धार्मिक कारण अथवा औपचारिकता का निर्वाह ही नहीं है, बल्कि उनमें कुछ ठोस वैज्ञानिक कारण भी हैं।

दुनिया भर में भारतीय शादियां अपनी चमक-दमक और रीति-रिवाजों के कारण चर्चित रही हैं। हमारा परिवार-समाज जब युवक-युवती युगल को शादी जैसे पवित्र बंधन में बांधता है तो वह उनके लिए भावी जीवन में सब कुछ शुभ-शुभ होता देखने की कामना भी करता है। इसलिए वह उनके सुखद वैवाहिक जीवन के लिए कुंडली मिलान के साथ ही बहुत से रीति-रिवाजों और परम्पराओं का भी निर्वाह करता है।

मेहंदी की रस्म

दुल्हन के हाथों पर रची मेहंदी का गाढ़ा रंग देखकर बेशक लोग कयास लगाते हैं कि उसकी शादीशुदा जिन्दगी असीम प्यार से भरी होने वाली है, लेकिन कम ही लोग जानते हैं कि मेहंदी लगाने की मुख्य वजह साजन के प्यार के साथ साथ उसका औषधीय भी गुण है। मेहंदी की खुशबू और ठंडक शादी-ब्याह के दौरान होने वाले स्ट्रेस को कम करती है। यही वजह है कि कई राज्यों में विवाह में मेहंदी की रस्म का बहुत अधिक महत्त्व है। दूल्हा-दुल्हन के अलावा बाकी औरतें भी इसे हाथ-पैर में लगाकर विवाह के मांगलिक अवसर का आनंद लेती हैं।

हल्दी की रस्म

हल्दी की रस्म शादी की मुख्य रस्मों में से एक है। इसमें विवाह पूर्व शादी वाले घरों में सुबह शाम दूल्हा दुल्हन के शरीर पर पारम्परिक गीतों के साथ हल्दी से बना लेप लगाया जाता है क्योंकि इससे त्वचा की रंगत निखरती है। हल्दी के औषधीय गुण शरीर और त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। यह त्वचा में मौजूद बैक्टीरिया नष्ट करती है। हल्दी के लेप में तेल, गुलाबजल मिलाया जाता है ताकि यह त्वचा की नमी को भी बनाए रखे। इसे लगाने से रक्त संचार बढ़ता है और त्वचा प्राकृतिक रूप से निखरती है।

कंगन, बिछिया

शादी में दुल्हन का आकर्षण उसके हाथ के कंगन की खनक और पैर की बिछिया की चमक भी होता है। जेवर पहनना शुभ तो है, लेकिन इनको पहनने के वैज्ञानिक कारण भी हैं। कंगन या चूड़ियां हाथ के एक्यूप्रेशर पॉइंट्स को प्रेस करती रहती हैं। इनके आगे-पीछे होने से फ्रिक्शन पैदा होता है और हाथ का रक्त संचरण व्यवस्थित रहता है। मांग में सिन्दूर पड़ने के साथ ही लगभग सभी शादीशुदा महिलाएं पैर में बिछिया जरूर पहनती हैं। बिछिया चांदी से बनी रिंग होती है जिसे पैर की ऊंगलियों में पहना जाता है। चांदी एक गुड कंडक्टर धातु है और इसी वजह से यह पृथ्वी से ध्रुवीय ऊर्जा खींचकर शरीर में पहुंचाती है। पैर की दूसरी ऊंगली की नर्व गर्भाशय से जुड़ी होती हैं। बिछिया पहनने से ये नर्व ज्यादा एक्टिव रहती है जिससे गर्भाशय स्वस्थ रहता है व मासिक चक्र नियमित रहता है।

मांग में सिन्दूर

मांग में चुटकी भर सिन्दूर सिर्फ आपका मैरिटल स्टेटस नहीं बताता, ये आपको हैल्दी व ठंडा रखने में भी कारगर है। सिन्दूर में हल्दी नींबू और बहुत थोड़ी मात्रा में मरकरी का मिश्रण होता है।

शादी के दौरान जब दुल्हन की मांग में सिन्दूर डाला जाता है, तो सिन्दूर में मिला मरकरी उसे रिलेक्स कर ठंडक का एहसास देता है।

बिंदी और तिलक

बिंदी सिर्फ चेहरे को आकर्षक बनाने के लिए नहीं लगाई जाती। दरअसल हमारे ऑय ब्रोज के बीच मौजूद नर्व शरीर को हेल्दी बनाये रखने में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

तिलक या कुमकुम शरीर की ऊर्जा नष्ट नहीं होने देते। तिलक के लिए चन्दन का इस्तेमाल करने पर शरीर को ठंडक मिलती है क्योंकि चंदन की तासीर ठंडी होती है। गौरतलब है कि कृत्रिम बिंदी से भी प्रेशर पॉइंट दबते हैं और चेहरे का बल्ड सर्कुलेशन बढ़ जाता है।

लाल आलता

बंगाल, ओडिसा, बिहार जैसे राज्यों में दुल्हन के पैर में आलता लगाने की रस्म प्रचलित है। आलता मेहंदी की ही तरह पैर को ठंडक देता है। उसे लगाने पर तनाव कम होता है। प्राकृतिक तरीके से आलता का निर्माण पान के पत्ते या लाक से होता है। वैसे आजकल सिंथेटिक आलता भी मिलने लगा है।

अग्नि की परिक्रमा

अलग अलग परिवारों में शादी की कई तरह की रस्में होती हैं, लेकिन प्राय: शादियों में अग्नि को साक्षी रखकर दूल्हा-दुल्हन का सात फेरे लेना अहम होता है। इतना ही नहीं शादी के पहले होने वाली पूजा में भी अग्नि की भूमिका अहम मानी जाती है। दरअसल अग्नि वातावरण को शुद्ध करने के लिए जरूरी है। इससे नकारात्मक ऊर्जा नष्ट होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। हवन के दौरान अग्नि में डाली जाने वाली लकड़ी, चावल, तिल-घी से उठने वाला धुआं भर के कीटाणुओं को नष्ट करता है और वातावरण को शुद्ध करता है।

करबद्ध स्वागत

सदियों से भारतीय संस्कृति में नमस्कार करके अतिथि के अभिवादन की प्रथा रही है। हालांकि आजकल लोग आपसी व्यवहार में हाय हैलो ज्यादा करते हैं, लेकिन बारातियों के स्वागत के लिए आज भी दुल्हन के परिवार वाले हाथ-जोड़ स्वागत ही पसंद करते हैं। हाथ जोड़ने से दोनों हाथों की उंगलियों के टिप आपस में मिलकर वहां मौजूद प्रेशर पॉइंट्स को दबाते हैं। इससे सारी नर्व सक्रिय होती हैं और इसका असर सीधे आंख, कान और दिमाग पर पड़ता है। यही वजह है कि ऐसे में हमें मेहमान लम्बे समय तक याद भी रहते हैं।

वीरेंद्र कुमार डांगी

रजनी डांगी

डांगी इण्डस्ट्रीज

सोप स्टोन पाउडर

डोलोमाइट

चाइना क्ले

केल्साइट पाउडर के निर्माता एवं माइनिंग

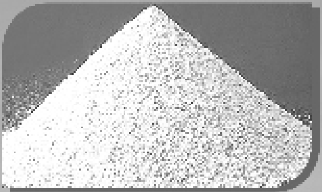

- पर्ल मिनरल्स एंड केमिकल्स
- डांगी माइनिंग प्राईवेट लिमिटेड
- नेनो क्ले एंड मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड
- देवपुष्प माइनिंग इण्डस्ट्रीज, किच्छा (उत्तराखंड)

एफ-39 (ए) आई. टी. पार्क, रोड नं. 12, मादडी इण्डस्ट्रीयल एरिया, उदयपुर 313 003

फोन : 9649203061/9672203061, ईमेल: pearlmin@rediffmail.com, dangiindustries@rediffmail.com

महासमर को तैयार 'विराट सेना'

– जगदीश सालवी

इंग्लैंड में होने वाले क्रिकेट महासंग्राम के लिए 15 अप्रेल को चयन समिति द्वारा 15 भारतीय लड़ाकों की घोषणा से ऋषभ पंत और अंबाती रायडू का निराश होना स्वाभाविक है, हालांकि उन्हें दो दिन बाद वैकल्पिक खिलाड़ी के रूप में शामिल कर लिया गया। लेकिन वे टीम का नियमित हिस्सा नहीं होंगे।

इंग्लैंड में 30 मई से शुरू हो रहे विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए विराट कोहली के नेतृत्व में घोषित 15 सदस्यीय टीम में सात ऐसे खिलाड़ी हैं, जो पहली बार विश्व कप क्रिकेट ब्रिगेड में शामिल किए गए हैं। ये खिलाड़ी हैं – के एल राहुल, विजयशंकर, केदार जाधव, जसप्रीत बुमराह, यजुवेन्द्र चहल, कुलदीप यादव और हार्दिक पंड्या। एम एस के प्रसाद की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय चयन समिति ने टीम में पांच विशेषज्ञ बल्लेबाज, दो विकेटकीपर-बल्लेबाज, तीन स्पिनर, दो ऑल राउण्डर और तीन तेज गेंदबाजों को प्राथमिकता दी है। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा को उपकप्तान की जिम्मेवारी दी गई है। कौन सा बल्लेबाज किस क्रम पर बल्लेबाजी करेगा, इसका फैसला होना अभी बाकी है, किन्तु नम्बर चार पर फिनीशर के रूप में मैदान में उतरने वाले खिलाड़ी को लेकर बहस जारी है। इस क्रम को टीम के लिए महत्वपूर्ण माना गया है। चयन समिति की मानें तो टीम के पास नम्बर 4 के लिए कई विकल्प हैं। विराट कोहली के मन की बात करें तो वे नम्बर 4 के लिए विजय-शंकर को उपयुक्त मानते हैं, जबकि कुछ पूर्व क्रिकेटरों और विशेषज्ञों के अनुसार इस क्रम पर खेलने के लिए रायडू को टीम में शामिल किया जा सकता था। इस बीच कोहली ने बताया कि अभी क्रम को लेकर कुछ भी तय नहीं है।

आईपीएल से कितने खिलाड़ी

विश्व कप टूर्नामेंट के लिए जिन 15 खिलाड़ियों को चुना गया हैं, वे सभी किसी न किसी आईपीएल टीम का हिस्सा हैं।

चेन्नई सुपरकिंग्स	तीन (महेन्द्र सिंह धोनी, रवीन्द्र जडेजा और केदार जाधव)
मुंबई इंडियंस	तीन (रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या)
किंग्स इलेवन पंजाब	दो (लोकेश राहुल और मोहम्मद शमी)
कोलकाता नाइटराइडर्स	दो (कुलदीप यदव और दिनेश कार्तिक)
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु	दो (विराट कोहली और यजुर्वेन्द्र चहल)
सन राइजर्स हैदराबाद	दो(भुवनेश्वर कुमार और विजय शंकर)
दिल्ली कैपिटल्स	एक(शिखर धवन)

कोटे की चयन होड़ में राहुल, विजय शंकर और दिनेश कार्तिक भाग्यशाली रहे। ऋषभ पंत को टीम में शामिल न किए जाने की सबसे बड़ी वजह आईपीएल मैचों में अप्रत्याशित ढंग से उनका विकेट गंवाना हो सकता है। हालांकि चयनकर्ताओं का कहना है कि चयन में आईपीएल का प्रदर्शन कोई पैमाना नहीं है। रायडू आईपीएल में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बावजूद टीम में चौथे स्थान के लिए जगह नहीं बना सके।

युवा बल्लेबाज ऋषभ पंत, अंबाती रायडू और तेज गेंदबाज नवदीप सैनी विश्व कप टीम में स्टैंड बाई(वैकल्पिक) खिलाड़ी होंगे। चयनकर्त्ताओं के अनुसार निर्धारित टीम में से किसी खिलाड़ी के चोटिल होने की स्थिति में इनमें से किसी को मौका दिया जा सकेगा। इन तीन खिलाड़ियों में से सैनी ही टीम के साथ इंग्लैंड जाएंगे जबकि पंत व रायडू को उनकी जरूरत पर बुलाया जाएगा।

भारतीय टीम की मदद के लिए चार अन्य तेज गेंदबाज भी टीम के साथ इंग्लैंड जाएंगे, ये चारों टीम के साथ रहेंगे लेकिन 15 सदस्यीय टीम का हिस्सा नहीं होंगे। ये चार खिलाड़ी हैं – खलील अहमद, आवेश खान, दीपक चाहर और नवदीप सैनी। ये चारों टीम के बल्लेबाजों को नेट्स में अभ्यास करवाएंगे। ये चारों फिलहाल आईपीएल में खेल रहे हैं।

भारत 1983 में कपिल देव तथा 2011 में महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में विश्वकप ट्रॉफी हासिल कर चुका है। जबकि 2003 में दक्षिण अफ्रीका में हुए टूर्नामेंट में भारत उप विजेता रहा था। तब ऑस्ट्रेलिया ने चैम्पियनशिप जीती थी। भारत ने दो बार सन् 1987 व 1996 में सेमीफाइनल तक भी पहुंच बनाई थी। विश्व कप के लिए चुनी गई भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली सबसे महंगी टीम है। इसकी कीमत करीब 194 करोड़ रुपए की है। राष्ट्रीय चयनकर्त्ताओं ने भले ही यह कहा हो कि टीम के चयन का आईपीएल पैमाना नहीं है, लेकिन वास्तविकता यह है कि चयनित सभी 15 खिलाड़ी आईपीएल की आठ टीमों में से सात टीमों का हिस्सा हैं। केवल राजस्थान रॉयल्स ही ऐसी टीम है, जिसका कोई खिलाड़ी टीम का हिस्सा नहीं बन पाया। इस टीम के कप्तान और धुरन्धर बल्लेबाज आजिंक्या रहाणे भी राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं बना पाए हैं।

❑❑❑

पाठकपीठ

'प्रत्यूष' के अप्रेल अंक में नंद किशोर शर्मा का आलेख 'शाबास! अभिनंदन' बहुत अच्छा लगा। इस तरह की जानकारियों अथवा आलेखों से नई पीढ़ी प्रेरित होती है। इसी अंक में फिरोज अहमद शेख का 'ओआईसी की पटखनी से कराहता पाकिस्तान' आलेख भी सटीक था। पाकिस्तान को वास्तविकता से रूबरू होकर आस्तीन के सांप पालना छोड़ देना चाहिए।

– एन. के. पुरोहित

'स्वाइन फ्लू' पर स्वाति गौड़ का आलेख सामयिक था। संक्रमण के जरिए फैलने वाली इस बीमारी का पिछले महिनों काफी जोर रहा। इस रोग से डरने और घबराने की जरूरत नहीं है, जरूरत सिर्फ इस बात की है कि जागरूक रहें और इसके लक्षण दिखते ही चिकित्सक की सलाह से उपचार कराएं।

– डॉ. कौशल चूंडावत

'प्रत्यूष' पिछले डेढ़ दशक से नियमित देख रहा हूँ। इसमें सामयिक आलेख परिवार की पहली पसन्द हैं, इसके कलेवर को और अधिक आकर्षक बनाने तथा रंगीन पृष्ठ बढ़ाने पर ध्यान दें। अप्रैल के अंक का लोकसभा चुनाव के परिप्रेक्ष्य में लिखा गया 'सम्पादकीय' सटीक था।

– रोशनलाल अरोड़ा

माह अप्रैल के 'प्रत्यूष' में भगवान महावीर और उनके पंचशील सिद्धांतों पर आधारित आलेख प्रेरणास्पद था। भगवान महावीर का उद्देश्य मानव मात्र के बीच शांति और प्रेम का व्यवहार स्थापित करना था। जिसके बिना समाज के कल्याण और प्रगति की कल्पना भी नहीं की जा सकती। 'प्रत्यूष' महापुरूषों के बारे में ऐसी ही जानकारियां देता रहा है और देते रहना चाहिए। क्योंकि इन्हीं से एक शुद्ध-बुद्ध समाज की रचना में मदद मिलती है।

– जसवंत गन्ना

कमाल की कुल्फी

घर के आस-पास टन्....टन्....टन् की आवाज़ होते ही बच्चे ठंडी-ठंडी कुल्फी खाने के लिए मचल उठते हैं। गर्मी और उमस भरे मौसम में बच्चे हों या बड़े, सबका मन शरीर को कूल-कूल रखने का होता है। इसके लिए ठंडी और पौष्टिक कुल्फी मिल जाए तो कहने ही क्या। ये स्वादिष्ट कुल्फियां घर में भी बनकर दिलो-दिमाग को 'कूल-कूल' रख सकती हैं।

-कमला गौड़

क्रीमी मैंगो कुल्फी

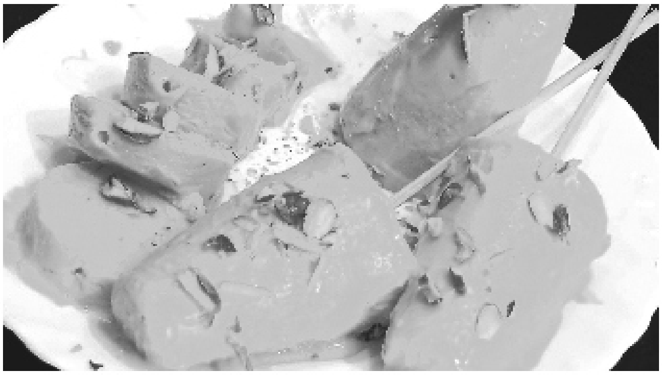

सामग्री : आम की प्यूरी - 1 कप, कटा हुआ पका आम -1 कप, क्रीम चीज-400 ग्राम, फेंटी हुई क्रीम - 250 ग्राम (दस बारह लोगों केलिए)

विधि : सबसे पहले क्रीम चीज को ग्राइंडर में डालकर अच्छी तरह से फेंट लें। अब उसमें क्रीम डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। ग्राइंडर में मैंगो प्यूरी डालें और चार से पांच मिनट तक उसे फेंटें। सबसे अंत में आम के टुकड़े डालें और कुछ सेकेंड तक उन्हें फेंटे। अब इस मिश्रण को कुल्फी के सांचे में डालें और 10 से 12 घंटे तक फ्रीजर में जमाएं और सर्व करें।

केसर पिस्ता कुल्फी

सामग्री : दूध-3 लीटर, चीनी-आधा कप, केसर-1 चम्मच, इलायची पाउडर-2 चम्मच, बारीक कटा पिस्ता-आधा कप(चार लोगों के लिए)

विधि : सबसे पहले एक पैन में दूध डालें और दूध को लगातार चलाते हुए आधा होने तक मध्यम आंच पर उबालें। ध्यान रहें कि दूध जले नहीं, क्योंकि जले हुए दूध से आने वाली बदबू आपको सारी मेहनत पर पानी फेर देगी। अब दूध में चीनी डालकर मिलाएं। जब चीनी घुल जाए तो उसमें इलायची पाउडर, केसर ओर बारीक कटा पिस्ता डालें। गैस बंद कर दें और मिश्रण को पूरी तरह से ठंडा होने दें। कुल्फी के सांचे में तीन-चौथाई हिस्से तक इस मिश्रण को भरें। फ्रीजर में कम-से-कम 15 घंटे तक रखें और फिर पेश करें।

बादामी इलायची

सामग्री : दूध-2 कप, बारीक कटा बादाम-एक चौथाई कप, कस्टर्ड(वेनीला) पाउडर-2 चम्मच, कंडेंस्ड मिल्क-200 ग्राम, क्रीम-तीन चौथाई कप, बादाम पाउडर 1 कप, इलायची पाउडर 1 चम्मच।(चार लोगों के लिए)

विधि : एक पैन में दूध डालें और मध्यम आंच पर पकाएं। जब दूध गर्म हो जाए तो उसमें कस्टर्ड पाउडर डालकर घुलने तक मिलाएं। दूध को लगातार मिलाते हुए पकाएं। जब दूध गाढ़ा होने लगे तो उसमें बादाम डालें। जब दूध कस्टर्ड जितना गाढ़ा हो जाए तो गैस बंद कर दें। जब यह मिश्रण ठंडा हो जाए तो उसमें कंडेंस्ड मिल्क, बादाम पाउडर, इलायची पाउडर और क्रीम डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। अब इस मिश्रण को कुल्फी के सांचे में डालें और फ्रीजर में रखकर दस से बारह घंटे तक जमाएं और बाद में पेश करें।

संतरा कुल्फी

सामग्री : दूध 3 लीटर, चीनी आधा कप, संतरे का गूदा 2 कप, ऑरेंज जैम 2 चम्मच।

विधि : संतरे को बीचों-बीच काट लें और संतरे का गूदा पूरी तरह से निकाल लें। ध्यान रखें कि संतरे का छिलका टूटे नहीं। संतरे की फांक पर लगा छिलका और रेशा निकाल लें। संतरे के बीज को भी हटा दें और गूदे को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अब दूध को उबालें और लगातार चलाते हुए उसकी मात्रा आधा होने तक उबालें। ध्यान रखें कि दूध जले नहीं। अब चीनी को दूध में डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। अब दूध को पूरी तरह से ठंडा होने दें। जब दूध ठंडा हो जाए तो उसमें संतरे का गूदा और जैम डालकर मिलाएं। अब इसे मनचाहे बर्तन में रखकर कम-से-कम 15 घंटे के लिए फ्रीजर में रखें। कुल्फी को मनपसंद बाउल में डालकर सर्व करें।

महेन्द्रसिंह देवड़ा

मोबाइल: 9950752248

परिवहन विभाग

महेन्द्र सिंह देवड़ा

यातायात सलाहकार

चेम्बर नं. 116 ए

हमारे यहां आरटीओ सम्बन्धित फिटनेस, रजिस्ट्रेशन, ड्राइविंग लाइसेन्स, कण्डक्टर लाइसेन्स, इन्टरनेशनल लाइसेंस, चालान कम्पाउण्ड व बीमा आदि सभी प्रकार का कार्य किया जाता है।

द्वारकेश भवन, आरटीओ ऑफिस के पास, सुखेर रोड, उदयपुर (राज.)

E-mail : viratinsurance48@gmail.com

शिव कृपा का प्रत्यक्ष फल रुद्राक्ष

– पं. हीरालाल नागदा

एक समय भगवान शिव ने एक हजार वर्ष की समाधि लगाई। समाधि व्युत्थान पर जब उनका मन बाह्य जगत में आया, तब जगत के कल्याण की कामना करते हुए महादेव ने अपनी आंखे बंद कर ली। तभी उनके नेत्र से जल के बिन्दु पृथ्वी पर गिरे। उन्हीं से रुद्राक्ष के वृक्ष उत्पन्न हुए और वे शिव की इच्छा से भक्तों के हित के लिए समग्र देश में फैल गए। इन वृक्षों के फल ही रुद्राक्ष हैं।

वे पापनाशक, पुण्यवर्धक, रोगनाशक, सिद्धिदायक तथा भोग-मोक्ष देने वाले हैं। रुद्राक्ष जैसे ही भद्राक्ष भी होते हैं। रुद्राक्ष, श्वेत, लाल, पीले तथा काले वर्ण वाले होते हैं। ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्रों को निर्धारित विधान से ही पहनने चाहिए। रुद्राक्ष फलप्रद हैं। जितने छोटे रुद्राक्ष होंगे उतने ही अधिक फलप्रद होंगे। वे संताप को दूर कर शांति देने वाले हैं।

रुद्राक्ष की माला धारण करने से पाप और रोग नष्ट होते हैं। साथ ही सिद्धि मिलती है। भिन्न-भिन्न अंगों में भिन्न-भिन्न संख्या वाले रुद्राक्ष धारण करने से लाभ होता है। शिव पुराण में इसका विस्तृत विवेचन है। भस्म, रुद्राक्ष धारण करके नमः शिवाय मंत्र का जाप करने वाला मनुष्य शिव रूप हो जाता है।

भस्म रुद्राक्षधारी मनुष्य को देखकर भूत प्रेत भाग जाते हैं, देवता पास में दौड़ आते हैं, उसके यहां लक्ष्मी और सरस्वती दोनों स्थायी निवास करती हैं, विष्णु आदि सब देवता प्रसन्न होते हैं। अतः सभी शैव-वैष्णव को नियम पूर्वक रुद्राक्ष धारण करना चाहिए।

रुद्राक्षों के मुख – रुद्राक्ष गोल, चिकने, दृढ़ कांटेदार तथा एक छिद्र से दूसरी तरफ छिद्र तक सीधी बारीक रेखा वाला उत्तम गिना जाता है। जिसमें अपने आप छिद्र उत्पन्न हुआ हो वह उत्तम है। एक तरफ के छिद्र से दूसरे छिद्र तक जितनी सीधी रेखा जाती हो। वह उतने ही मुख वाला माना जाता है।

- एक रेखा वाला रुद्राक्ष एक मुखी है जो शिवरूप है। वह मुक्ति देवता है।
- दो मुखी शिव पार्वती रूप है, जो इच्छित फल देता है।
- तीन मुखवाला रुद्राक्ष त्रिदेवरूप है जो विद्या देता है।
- चार मुखी ब्रह्मरूप है, जो चतुर्विध फल देता है।
- पंचमुखी रुद्राक्ष पंचमुख शिवरूप है, जो सब पापों को नष्ट करता है।
- छः मुखी रुद्राक्ष स्वामी कार्तिक रूप है, जो शत्रुओं का नाश करता है, पापनाशक है।
- सातमुखी कामदेवरूप है, जो धन प्रदान करता है।
- अष्टमुखी रुद्राक्ष समस्त देवरूप है। सब देवताओं को प्रसन्न करने वाला है। समस्त इच्छाओं को पूर्ण करने वाला है।
- नौ मुखी कपिल मुनि रूप तथा नव दुर्गारूप है, जो मनुष्य को सर्वेश्वर बनाता है।
- दशमुखी विष्णु रूप है, जो कामना पूर्ति करता है।
- ग्यारह मुखी एकादश रुद्ररूप है, जो विजयी बनाता है।
- बारह मुखी द्वादश आदित्य रूप है, जो प्रकाशित करता है।
- तेरह मुखी रुद्राक्ष विश्वरूप है, जो सौभाग्य मंगल देता है।
- चौदह मुखी परमशिव रूप है, जो धारण करने से शांति देता है।

इस प्रकार 14 मुखी रुद्राक्ष का वर्णन मिलता है। इनको धारण करने के लिए शिव पुराण में मंत्र भी दिए गए हैं। मंत्र के द्वारा धारण करने से रुद्राक्ष इच्छित फल प्रदान करते हैं।

Darcl
Logistics

Darcl Logistic Limited

(Formerly known as Delhi Assam Roadways Corporation Limited)

Branch Office :

2nd Floor, 26-NB Complex, Ahemdabad Road, Pratap nagar Chauraha, Udaipur (Raj.)
Tel. : +91-294-3296769, 3297688, Fax : +91-294-2494142
Email : surender.sharma@delhiassam.com | www.darcl.com

पहले से भी 'स्मार्ट' होगा स्मार्टफोन

– उर्वशी शर्मा

आम लोगों की आम जरूरत बने स्मार्टफोन में आए दिन नए-नए इनोवेशन हो रहे हैं। स्मार्टफोन कंपनियों में होड़ सी मची है। इसी के चलते नई टेक्नोलॉजी से लैस स्मार्टफोन भी कुछ दिन बाद पुराने हो जाते हैं। मार्केट में नए इनोवेशन के साथ आए स्मार्टफोन की ही डिमांड ज्यादा है। इसी कड़ी में अब हमारे स्मार्टफोन पहले से ज्यादा 'स्मार्ट' बनने जा रहे हैं। जो हाइटेक फीचर्स से लैस होंगे। इंटरनेशनल डाटा कॉरपोरेशन (आईडीसी) की रिपोर्ट के अनुसार स्मार्टफोन कंपनियां पुराने फीचर्स को पूरी तरह से खत्म करने की तैयारी कर रही हैं। आईडीसी की रिपोर्ट के अनुसार स्मार्टफोन के पुराने फीचर्स तेजी से आउट ऑफ ऑर्डर किए जाने की तैयारियां हो रही हैं। ये फोन 'प्रीमियम फोन' के नाम से पहचाने जाएंगे। इनमें सिम कार्ड स्लॉट से लेकर वॉल्यूम बटन, हेडफोन, जैक, स्पीकर्स के अलावा फिंगरप्रिंट स्कैनर्स को रिप्लेस किया जाएगा। यानी स्मार्टफोन के इस फीचर्स को पूरी तरह बदल दिया जाएगा।

एएसपी 9 प्रतिशत बढ़ेगी

रिपोर्ट के मुताबिक आने वाले चार सालों में स्मार्टफोन की एवरेज सेलिंग प्राइस (एएसपी) 9 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी। ऐसा इसलिए होगा कि मार्केट में प्रीमियम फोन बड़ी संख्या में आएंगे। इसकी बिक्री में सबसे बड़ा योगदान 6-7 इंच स्क्रीन साइज वाले फोन का होगा।

बिक्री में आई 5 प्रतिशत की कमी

- फोन कंपनियां नए मॉडल लॉन्च कर रही हैं। फिर भी बिक्री में 5 प्रतिशत की कमी आई है।
- आईडीसी की रिपोर्ट के अनुसार 2017 की चौथी तिमाही में दुनियाभर में स्मार्टफोन के 4.9 प्रतिशत कम शिपमेंट हुए।
- यह लगातार पांचवी तिमाही है जब शिपमेंट्स की संख्या में कमी आई है।

बिक्री के हिसाब से खराब रहा 2018

- स्मार्टफोन बिक्री के लिहाज से 2018 सबसे खराब साल रहा। इस साल दुनियाभर में कुल 1.4 अरब स्मार्टफोन का शिपमेंट हुआ।
- माना जा रहा है कि 2019 की पहली तिमाही में भी यही ट्रेंड जारी रहेगा।
- आईडीसी की एक 5जी और फोल्डेबल फोन के अलावा अब स्मार्टफोन कंपनियां इनोवेशन की चाह में कई प्रचलित पुराने फीचर्स को पूरी तरह से खत्म करने की तैयारी में हैं।

ये फीचर्स हो जाएंगे गायब

सिम कार्ड स्लॉट : एप्पल पहले अपने नए फोन में ई-सिम का ऑप्शन दे चुका है। जल्द ही एंड्रॉयड फोन भी ऐसा कर सकते हैं।

फिंगरप्रिंट स्कैनर : पहले होम बटन फिर स्मार्टफोन के पीछे और अब डिस्प्ले में जगह बनाने वाला फिंगरप्रिंट स्कैनर गायब होने वाला है। इसकी जगह फेस अनलॉक को तवज्जह मिल सकती है।

स्पीकर्स : एक-दो कंपनियां ऐसा फोन ला भी चुकी हैं, जिसमें डिस्प्ले ही स्पीकर का काम करता है। यानी आगे आने वाले फोन से स्पीकर्स को पूरी तरह हटाया जा सकता है।

हेडफोन जैक : इसे गायब करने की शुरुआत पहले ही हो चुकी है। अब धीरे-धीरे लो रेंज वाले स्मार्टफोन से भी हेडफोन जैक हटा दिया जाएगा।

वॉल्यूम बटन : स्मार्टफोन कंपनियां जल्द ही मल्टी फंक्शनल पॉवर/वेक बटन ला सकती हैं, जो वॉल्यूम घटाने-बढ़ाने का काम भी करेगा। यानी वॉल्यूम बटन हटा दिए जाएंगे।

कैसा रहेगा आपके लिए यह माह ?

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

नौकरी में पदोन्नति के पूर्ण योग बनेंगे, रिश्तेदारी की कोई समस्या व्यथित करेगी, सामाजिक दायित्वों की पूर्ति करने की स्थितियां, रूका हुआ पैसा प्राप्त हो सकता है, आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, व्यवसाय में नवाचार लाभदायक रहेगा। अविश्वास जीवन में अविश्वास से परेशानियाँ सम्भव, सन्तान पक्ष में हर्षोल्लास।

वृषभ

माह का पूर्वार्द्ध आपको आनन्दित करेगा, मौज मस्ती, सैर सपाटे में समय व्यतीत होगा। जीवन साथी के सहयोग से आगे बढ़ने में मदद मिलेगी, बौद्धिक क्षमता का विकास, धर्म-कर्म में ज्यादा समय एवं धन व्यय होगा। फेफड़ों की बीमारी से जूझ सकते हैं, कार्य क्षेत्र में स्थितियां अनुकूल रहेगी, सन्तान की ओर से शुभ समाचार संभव।

मिथुन

आय के नये स्रोत खुलेंगे परन्तु व्यय भी बढ़ेगा। नौकरी में स्थिरता के योग हैं, इच्छा शक्ति में वृद्धि होगी। किसी अनुचित कार्य को लेकर अपमानित या बदनामी हो सकते हैं, अतः सावधान रहें। संतान पक्ष के लिए समय उत्तम है, खान-पान को अव्यवस्था से पीलिया जैसे रोग हो सकते हैं।

कर्क

विद्यार्थियों को नये अवसर प्राप्त होंगे, नौकरी में तरक्की तथा व्यवसाय को नयी दिशा मिलेगी, आर्थिक पक्ष सुदृढ़ रहेगा। सुनी-सुनाई बातों पर विश्वास करना आपको परेशानी में डाल सकता है, परिवार में शुभ समाचार एवं खुशी का माहौल रहेगा। दाम्पत्य जीवन असंतोषप्रद रहेगा, बवासीर जैसे रोगों से कष्ट हो सकता है। जरूरतमंद लोगों व पीड़ितों की मदद लाभकारी होगी।

सिंह

उच्चाधिकारियों एवं सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। भाग्य पूर्ण रूप से साथ देगा, अपनी ऊर्जा से कुछ नया कर पायेंगे, आर्थिक पक्ष श्रेष्ठ है। आकस्मिक धन लाभ के योग भी हैं, संतान पक्ष की ओर से आपके प्रति नकारात्मक स्थिति दुखी करेगी। विरोधियों से सावधान रहें।

कन्या

माह का पूर्वार्द्ध अच्छे परिणाम देगा, रोजाना के कार्य में असमर्थता महसूस करेंगे, हर किसी पर विश्वास करना घातक हो सकता है। मित्रों का सहयोग आपको मजबूत बनायेगा, यात्रा के योग बनेंगे। नौकरी एवं व्यवसाय में बाधा उत्पन्न हो सकती है, स्थान परिवर्तन भी सम्भव, दाम्पत्य जीवन में मधुरता रहेगी। किसी जीर्ण रोग से व्यथित रहने की संभावना।

तुला

मन में अंतर्द्वन्द्व की स्थिति बनेगी, पिता से वैचारिक मतभेद उभर सकते हैं, जीवन संगिनी के सहयोग से हालात पर नियंत्रण। अपने पुरुषार्थ से आर्थिक पक्ष को अनुकूल बना लेंगे, अनावश्यक कार्यों में समय व्यतीत होगा है, व्यापार एवं नौकरी में नये अवसर प्राप्त हो सकते हैं। संतान की ओर से शुभ समाचार प्राप्त होगा।

माह के प्रमुख उत्सव

दिनांक	तिथि	पर्व/त्योहार
1 मई	वैशाख कृष्णा 12	मजदूर दिवस
7 मई	वैशाख शुक्ला 3	श्री परशुराम जयंती
	(अक्षय तृतीया)	रवीन्द्र नाथ टैगोर जयंती
9 मई	वैशाख शुक्ला 5	शंकराचार्य व सूरदास जयंती
13 मई	वैशाख शुक्ला 9	जानकी नवमी
17 मई	वैशाख शुक्ला 13	श्री नृसिंह जयंती
20 मई	ज्येष्ठ कृष्णा 2	नारद प्राकट्योत्सव

वृश्चिक

अपने ही लोग परेशानी के सबब बन सकते हैं, कर्म क्षेत्र में एक नई दृष्टि से कार्य करेंगे, विरोधी परास्त होंगे और आर्थिक रूप से मजबूत बनेंगे। नौकरी एवं व्यवसाय में व्यस्तता अधिक रहेगी, स्वास्थ्य संतोषजनक रहेगा, पैतृक मामलों में उलझनें बढ़ेंगी, वैवाहिक जीवन में उग्रता रहेगी, संतान पक्ष से हर्षोल्लास, लम्बी दूरी की यात्रा की योजना का बनना सम्भव।

धनु

यह माह आपके लिए मध्यम फलदायी प्रतीत होता है, अपने से वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन में कार्य करें या योजना बनाएं। बाधित धन का आगमन होगा, आय पक्ष सुदृढ़ बनेगा, व्यापार एवं नौकरी के लिए बहुत ही अनुकूल रहेगा, एक तरफा लगाव आपकी खुशियाँ उजाड़ सकता है, वैवाहिक जीवन में तालमेल का अभाव रहेगा एवं व्यर्थ की बातों से परिवार में तकरार रहेगी।

मकर

प्रेम प्रसंग के चलते समय एवं धन की बर्बादी होगी, पारिवारिक दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यालय एवं कार्य क्षेत्र में सावधानी आवश्यक है, आर्थिक स्थिति में स्थिरता आएगी, भौतिक सुख सुविधाओं में वृद्धि सम्भव, वैवाहिक स्थिति सामान्य, पिता के स्वास्थ्य में गिरावट, सन्तान पक्ष उत्तम, प्रतियोगी परीक्षार्थियों के सपने पूरे होंगे।

कुम्भ

धर्म-कर्म में समय व्यतीत होगा, मित्रों का साथ राहत देगा, व्यवसाय एवं नौकरी में भावुक एवं बड़बोलेपन से हानि की सम्भावना, अचानक यात्रा योग बन सकता है। आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी, व्यवसाय एवं नौकरी में सफलता, दाम्पत्य जीवन उत्तम, संतान पक्ष से असंतुष्टता एवं परेशानी, घुटनों के दर्द से परेशानी संभव।

मीन

पैतृक मामले सुलझेंगे एवं धन लाभ होगा, अपने भाई-बन्धुओं से वैचारिक मतभेद उभर सकते हैं। घर-परिवार में शुभ कर्म या धार्मिक आयोजन सम्भव, पुरुषार्थ से आर्थिक पक्ष को उन्नत बना लेंगे, वाणी पर संयम रखें वरना प्रतिष्ठा धूमिल हो सकती है। व्यापार में वृद्धि, वैवाहिक जीवन में मधुरता और सन्तान पक्ष उत्तम व स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

जी. के. सीमेन्ट को पर्यावरण पुरस्कार

निम्बाहेड़ा। जे. के. सीमेन्ट, निम्बाहेड़ा को पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिये दिल्ली में आयोजित सम्मान समारोह में उपराज्यपाल अनिल बैजल द्वारा वर्ष 2018 का सीमेन्ट सेक्टर के लिये एक्सिड सिल्वर अवार्ड 25 मार्च, को प्रदान किया गया। संस्थान के टेक्नीकल हेड एस. के. आचार्य ने बताया कि जे. के. सीमेन्ट प्रदेश का काफी पुराना संयंत्र होते हुए भी वर्षों से लगातार पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है।

संस्थान के यूनिट हेड एवं अध्यक्ष एस. के. राठौड़ ने पर्यावरण संरक्षण के कार्यों को भविष्य में भी इसी प्रकार आगे बढ़ाते रहने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

868 यूनिट रक्त संग्रहण

– उषा देवी ट्रस्ट व अनुष्का एकेडमी ने लगाए शिविर

उदयपुर। पिछले दिनों शहर में आयोजित दो रक्तदान शिविरों में 868 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। श्रीमती उषा देवी चेरिटेबल ट्रस्ट के तपागच्छ स्थली, आयड़ में सम्पन्न 11वें रक्तदान शिविर में 477 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ। मुख्य ट्रस्टी व अध्यक्ष बलवन्त सिंह कोठारी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए रक्तदान की महत्ता बताई और कहा कि इससे कई जिन्दगियां बचाई जा सकती हैं। शिविर का उद्घाटन समाजसेवी चतरलाल दोशी ने किया। ट्रस्ट के सचिव विजय कोठारी के अनुसार ट्रस्ट के माध्यम से अब तक 3649 यूनिट रक्त बैंक को दिया गया है। रक्तदाताओं का शॉल ओढ़ाकर अभिनन्दन किया गया।

उषा चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा रक्तदाता को प्रमाण सौंपते हुए।

डॉ. अनुष्का विधि महाविद्यालय एवं अनुष्का एकेडमी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं से 391 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ। शिविर में सिख रेजिमेंट के 40 जवानों ने भी रक्तदान किया। संस्था की अध्यक्ष कमला सुराणा ने रक्तदाताओं का अभिनन्दन व आभार व्यक्त किया। राजीव सुराणा ने बताया कि रक्तदान करने वालों में 80 ऐसे युवा थे, जिन्होंने पहली बार रक्तदान किया।

ओम बन्ना भजन संध्या 25 को

उदयपुर। बलीचा स्थित ओम बन्ना धाम में 25 मई को 'एक शाम-ओम बन्ना के नाम' विशाल भजन संध्या होगी। कार्यक्रम संचालक आदित्य चौबीसा के अनुसार इसमें डी. बी. म्यूजिक ग्रुप के दिनेश वैष्णव छापरी, कमलेश राव, प्रकाश जाट, किरण डांगी, शुभम् वैष्णव व जितेन्द्र चौबीसा सुमधुर भजन प्रस्तुतियां देंगे। पिछले दिनों आयोजन के पोस्टर का विमोचन आर. पी. सिंह आका, कमलेन्द्र सिंह पंवार, गिर्वा पंचायत समिति प्रधान तख्त सिंह शक्तावत, वीरेन्द्र सिंह राठौड़, प्रिंस चौबीसा आदि ने किया।

34 रोट्रीयन्स को क्लब लीडर्स अवार्ड

उदयपुर। अरुणोदय आर्ट्स एण्ड एक्सपोर्ट्स, वीसीडी कॉलेज ऑफ डिजाइनिंग, जुस्ता सज्जनगढ़ रिसोर्ट एण्ड स्पा, रुक्मणी, फाउंडेशन, एम स्क्वायर प्रोडक्शन एंड इवेंट्स एवं भास्कर के साझे में जुस्ता सज्जनगढ़ रिसोर्ट में 10 अप्रेल को रोटरी क्लब लीडर्स अवार्ड 2019 समारोह हुआ। एम स्क्वायर प्रोडक्शन्स एंड इवेंट्स के सीईओ मुकेश माधवानी ने बताया कि कार्यक्रम में 34 रोटरीयन्स को सम्मानित किया गया। विशिष्ट सम्मान गजेन्द्र जोधावत और महेन्द्र टाया को दिया गया। जोधावत और टाया लम्बे समय से रोटरी के माध्यम से समाजसेवा कर रहे हैं। मुख्य अतिथि रोटरी के पूर्व प्रांतपाल निर्मल सिंघवी और विशिष्ट अतिथि डॉ. स्वीटी छाबड़ा, अनिर्बान नाग, अटल वाजपेयी थे।

इनका हुआ सम्मान : ओपी सहलोत, राकेश माहेश्वरी, रमेश मोदी, अनिता जैन, जयेश पारिख, राहुल शाह, प्रीति सोगानी, बृजराज कुमारी राठौड़, प्रेम मेनारिया, मुकेश गुरणी, तारिका भानुप्रताप, कमल गौर, वैभव सिंह, मुकेश शर्मा, डॉ. महीप भटनागर, विशाल गुप्ता, शकुन्तला पोरवाल, सुरभि ढींग, महावीर नाशनावत, सुनील मेहता, आर के पाटनी, दिलीप पोखरना, डॉ. कपिल देव उपाध्याय, धनपाल जैन, अनिल कुमार पटेल, प्रकाश पांचाल, आशीष चोरडिया, डॉ. वीना सनाढ्य आदि का सम्मान किया गया।

पाहुजा अध्यक्ष, झाम्बानी उपाध्यक्ष

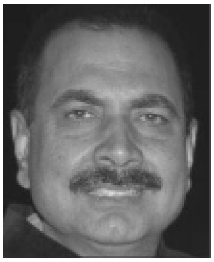

उदयपुर। न्यू पोलो ग्राउण्ड विकास समिति के चुनाव में अध्यक्ष अशोक पाहुजा, महासचिव पवन पारीक व उपाध्यक्ष किशोर जाम्बानी को चुना गया।

सोजतिया राष्ट्रीय मार्गदर्शक

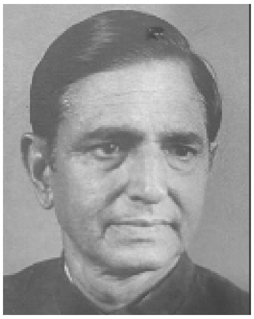

उदयपुर। ऑल इण्डिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंन्स नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष पारस मोदी ने समाजसेवी रणजीत सिंह सोजतिया को राष्ट्रीय वरिष्ठ मार्गदर्शक नियुक्त किया है। मोदी ने बताया कि सोजतिया विगत 60 वर्षों से समाज में विभिन्न पदों पर रहते हुए धर्म, जिन शासन एवं श्रमण संघ में विश्वास रखने वाले सुश्रावक बने हुए हैं। सोजतिया की नियुक्ति 2020 तक के लिये की गई है।

गौरवी को फ्लो अचीवर अवार्ड

उदयपुर। दिल्ली पब्लिक स्कूल की कक्षा 10 की तैराक छात्रा गौरवी सिंघवी को जयपुर में आयोजित एक समारोह में फ्लो अचीवर अवार्ड दिया गया। ब्रेकिंग द बैरियर्स थीम पर हुए इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर पर अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली 10 महिलाएं सम्मानित हुईं। गौरवी को सबसे कम उम्र में 47 किमी की ओपन स्विमिंग करने पर सम्मान मिला।

बीओबी बना तीसरा बड़ा बैंक

नई दिल्ली। दो सरकारी बैंकों विजया बैंक और देना बैंक का एक अप्रैल को बैंक ऑफ बड़ौदा में विलय हो गया। इन दोनों बैंकों के विलय के बाद बैंक ऑफ बड़ौदा देश का तीसरा सबसे बड़ा बैंक बन गया है। विलय के बाद विजया बैंक और देना बैंक की सभी शाखाएं बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखाओं के तौर पर काम करने लगी हैं। केन्द्र सरकार ने अतिरिक्त खर्च की भरपाई के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा को 5,042 करोड़ रुपए देने का पिछले हफ्ते फैसला किया था।

विलय की योजना के तहत विजया बैंक के शेयरधारकों को हर एक हजार शेयरों के बदले बैंक ऑफ बड़ौदा के 402 शेयर मिलेंगे। देना बैंक के शेयरधारकों को उनके हर एक हजार शेयर के बदले बैंक ऑफ बड़ौदा के 110 शेयर मिलेंगे। विलय के बाद संयुक्त निकाय का कारोबार 14.82 लाख करोड़ रुपए का हो गया है। यह भारतीय स्टेट बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के बाद देश का तीसरा सबसे बड़ा बैंक है। इस विलय के बाद देश में सरकारी बैंकों की संख्या कम होकर 18 रह गई है। देश के इस तीसरे बड़े बैंक से 12 करोड़ ग्राहक सेवाएं प्राप्त करेंगे। उल्लेखनीय है कि ए बी शेट्टी ने कर्नाटक में 1931 में विजया बैंक की स्थापना की थी। वहीं देवकरण नानजी ने 1938 में मुंबई में देना बैंक की स्थापना की थी। गुजरात के बडोदरा(पहले बड़ौदा) में 20 जुलाई, 1908 को बैंक ऑफ बड़ौदा की स्थापना हुई थी।

बैंक ऑफ बड़ौदा Bank of Baroda | विजया बैंक VIJAYA BANK | देना बैंक DENA BANK

आशाधाम को लोडिंग ऑटो भेंट

उदयपुर। बैंक ऑफ बड़ौदा, क्षेत्रीय कार्यालय ने कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के तहत आशाधाम आश्रम को लोडिंग ऑटो भेंट किया। इसके साथ ही कपड़े वितरित किए। बैंक के उदयपुर क्षेत्रीय प्रमुख अशोक डंगायच, उपक्षेत्रीय प्रमुख प्रजित कुमार दिवाकर, सिस्टर डेमियन, फादर डॉ. नारबर्ट हरमन आदि मौजूद थे।

ज्योतिबा फूले जयंती मनाई

उदयपुर। बूढ़ल स्थित दी गुरुकुल स्कूल एवं कॉलेज परिसर में ज्योति बा फूले जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई। मुख्य अतिथि गोविन्द गुरु जनजाति विवि के कुलपति कैलाश सोडानी, दयानंद सैनी, बी एस कानावत एवं शकुन्तला सोडानी ने कार्यक्रम को संबोधित किया। संस्थापक दिनेश माली व संस्थान निदेशक दिवाकर माली ने भी कार्यक्रम में विचार व्यक्त किए। इस मौके पर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता देने वाले डॉ. मनीष सक्सेना, डॉ. एल. एन. चौबीसा, रंजना सालगिया, कौशल्या कंवर, नारायण सिंह रावत, मांगीलाल वैष्णव को उपरणा एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। संचालन डॉ. मीनाक्षी सोलंकी ने किया।

डॉ. सिंह ने समझाए कानूनी दावपेंच

उदयपुर। अर्थ डायग्नोस्टिक्स के सीईओ एवं सीएमडी डॉ. अरविन्दर सिंह ने मुम्बई में इन्टरनेशनल कान्फ्रेंस ऑफ हेल्थकेयर ऑर्गनाइजेशन में हॉस्पिटल्स में कानून संबंधी जटिलताओं के विषय में व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि इन दिनों हॉस्पिटल्स के विरूद्ध कंज्यूमर मामले, तोड़फोड़, मारपीट व पुलिस केस जैसी घटनाओं में तेजी से वृद्धि हुई है।

डॉ. सिंह ने मेडिकल प्रोटेक्शन एक्ट के विषय में विस्तार से बताते हुए कहा कि अस्पतालों व चिकित्सकों के लिए यह आवश्यक है कि वे मरीजों का इलाज सावधानी व गंभीरतापूर्वक करें तथा मरीजों एवं उनके परिजनों को सही तथ्यों से अवगत कराएं ताकि मेडिकल नेग्लिजेन्स व मेडिकल माल प्रेक्टिस जैसे आक्षेप न लगे।

स्प्लेण्डर प्लस बाइक ने दिलाया सोना

उदयपुर। हीरो मोटो कॉर्प के अधिकृत डीलर पंचवटी स्थित रॉयल हीरो द्वारा 31 मई तक हीरो कम्पनी की स्प्लेन्डर प्लस बाइक खरीद पर चलाई जा रही योजना में ग्राहक विश्वनाथ प्रतापसिंह को स्प्लेंडर मोटरसाइकिल की खरीद पर 10 ग्राम सोना मिला।

रॉयल हीरो के प्रबन्ध निदेशक शब्बीर के. मुस्तफा ने बताया कि स्पलेंडर प्लस बाइक मोटरसाइकिल खरीद पर प्रत्येक ग्राहक को हेलमेट उपहार के अलावा एक स्क्रेच कूपन भी दिया जा रहा है। विश्वनाथ प्रताप सिंह को दिए गए कूपन को स्क्रेच करने पर 10 ग्राम सोना खुला। इसके अलावा स्क्रेच कूपन में एक ग्राम सोना भी खुल रहा है।

युवा फोरम का शपथ समारोह

महेन्द्र पोखरणा

शुभम गांधी

उदयपुर। जैन सोश्यल ग्रुप लेकसिटी एवं युवा फोरम का ऐतिहासिक शपथ ग्रहण समारोह राज किरण गार्डन में हुआ। जैन सोश्यल ग्रुप लेकसिटी के अध्यक्ष महेन्द्र पोखरणा एवं युवा फोरम के नव निर्वाचित अध्यक्ष शुभम गांधी के नेतृत्व में सम्पूर्ण कार्यकारिणी ने शपथ ली। कार्यक्रम का आगाज सुनील खोखावत के स्वागत उद्बोधन से हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि एस एल मेहता थे एवं अध्यक्षता जे एस जी मेवाड़ रीजन के चेयरमैन आर. सी. मेहता ने की।

जीवन रतन मॉडर्न स्कूल का उद्घाटन

उदयपुर। जीवन रतन मॉडर्न स्कूल का उद्घाटन कलड़वास रोड, एकलिंगपुरा में हुआ। संस्थान निदेशक मंगलाराम देवासी ने बताया कि स्कूल हिन्दी व अंग्रेजी माध्यम में कक्षा नर्सरी से बारहवीं तक संचालित होगा। कक्षा 11वीं व 12वीं वाणिज्य एवं कला संकाय में संचालित होगा। मुख्य अतिथि एसेंट ग्रुप के निदेशक मनोज बिसारती थे।

रेन प्रकाश अध्यक्ष निर्वाचित

उदयपुर। जैन सोश्यल ग्रुप 'प्रताप' का पदस्थापना समारोह पिछले दिनों होटल अलका में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि के. एस. मोगरा ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष रेनप्रकाश जैन, समन्वयक राजकुमार जैन, उपाध्यक्ष अरूण डूंगरवाल, सचिव कुणाल दोशी व कार्यकारिणी सदस्य मनीष सामर, महेन्द्र तलेसरा, सुरेन्द्र दोशी, मंगला पटवा, शिशिर बया, प्रशांत कोठारी व श्वेता मेहता को शपथ दिलाई। कार्यक्रम को मुख्य अतिथि भंवर सेठ, संस्थापक अध्यक्ष निर्मल पोखरना आदि ने भी सम्बोधित किया।

शोक समाचार

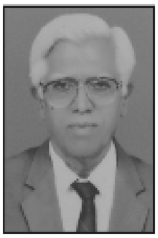

उदयपुर। श्री हरीशचन्द्र नैनाणी (विजेता नमकीन) का 20 मार्च को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदया धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या देवी, पुत्र राजकुमार, नरेश नैनाणी व पुत्री अनिता तलरेजा सहित भाई-भतीजों, पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। रोसावा इंजीनियरिंग प्रा. लि. सहित विभिन्न उद्योगों के संचालक श्री लालचंद जी रोसावा का 25 मार्च को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र राजेन्द्र, जानकीलाल, चन्द्रप्रकाश, देवेन्द्र, घनश्याम रोसावा व पुत्री पुष्पा शर्मा सहित पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री विजय सिंह जी सरूपरिया की धर्मपत्नी श्रीमती सुनिता सरूपरिया का 11 मार्च को संथारापूर्वक स्वर्गवास हो गया। उनके ज्येष्ठ श्री प्रताप सिंह के अनुसार वे अपने पीछे पुत्रियां चांदनी, निधि, शिवानी व लक्षिका सिंह सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। स्व. श्री बुधरमल जी पाहुजा की धर्मपत्नी श्रीमती रानी देवी जी का 29 मार्च को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पुत्र दिलीप, महेश, कमल एवं ललित पाहुजा तथा पुत्रियां सरला चावला व रेखा माटा सहित पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का सम्पन्न व समृद्ध परिवार छोड़ गई हैं।

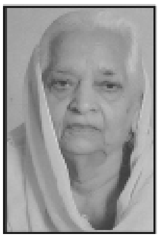

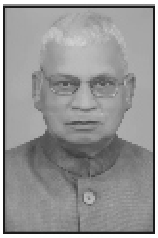

उदयपुर। श्री प्रताप सिंह जी भाणावत कानोड़ वाला का 29 मार्च को निधन हो गया। वे अपने पीछे पुत्र नरेन्द्र भाणावत व डॉ. शूरवीर सिंह पुत्रियां सुमित्रा कुदाल व मीनाक्षी लसोड़ सहित पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्रियों का समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं।

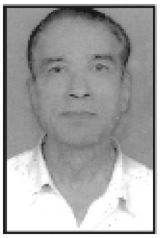

उदयपुर। श्री बलवन्त सिंह जी बिष्ट सुपुत्र स्व. रघुनाथ सिंह जी बिष्ट (उदयपुर मिन-टेक प्रा. लि.) का 31 मार्च को आकस्मिक स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र शैलेन्द्र सिंह, विपिन एवं विजय बिष्ट तथा पौत्र रूद्रप्रताप, हर्षप्रताप व ध्रुव प्रताप सिंह सहित सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती उत्सव देवी माण्डावत (धर्मपत्नी) स्व. मोहनलाल जी माण्डावत का 2 अप्रेल को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र राकेश व रवि माण्डावत तथा पुत्री रजनी डांगी (पूर्व महापौर) सहित पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों सहित सम्पन्न एवं समृद्ध परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती पुष्पा देवी धुप्पड़ धर्मपत्नी श्री अर्जुनलाल धुप्पड़ का 13 अप्रेल को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पुत्र जमनेश व अनिल तथा पुत्रियां मंजू, आशा व अनिता सहित पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का सम्पन्न परिवार छोड़ गई हैं।

राजस्थान विद्यापीठ का 11वां दीक्षांत समारोह

विश्वविद्यालय सामाजिक दायित्व का बीड़ा भी उठाएं

उदयपुर/प्रत्यूष संवाददाता। राजस्थान विद्यापीठ जनार्दन राय नागर (डीम्ड) विश्वविद्यालय के 11वें दीक्षांत समारोह में 9 अप्रेल को मुख्य अतिथि गुजरात के राज्यपाल ओ. पी. कोहली ने 35 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल व 50 शोधार्थियों को पीएचडी की डिग्री प्रदान की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय डिग्रियां देने तक ही सीमित न रहें, सामाजिक दायित्व का भी निर्वाह करें। उन्होंने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का वह कथन दोहराया जिसमें वे इस बात पर जोर देते हैं कि देश के सभी विश्वविद्यालय भी औद्योगिक घरानों की तरह ही सोशयल रिस्पोंसिबिलिटी(सीएसआर) का कंसेप्ट शुरू करें ताकि विवि शिक्षा देने के साथ-साथ सामाजिक दायित्व निर्वहन भी कर सकें।

उन्होंने कहा कि आजादी के सत्तर वर्ष बाद भी हमें विकासशील देशों की श्रेणी में रखा जाता है। विकसित देशों की श्रेणी में भारत को लाने का जिम्मा हमारे युवाओं का है। राज्यपाल ने युवाओं का आह्वान किया कि वे ऐसे संसाधन विकसित करें जिससे देश उत्तरोतर प्रगतिरत रहे। यूजीसी नई दिल्ली के पूर्व सदस्य आईएम कपाही ने कहा कि शिक्षा मनुष्य को चरित्रवान और संस्कारवान बनाती है।

इसलिए वर्तमान में गुरु प्रतिष्ठा को वापस स्थापित करने की आवश्यकता है। राज्यपाल कोहली, कुलाधिपति प्रो. एच सी पारख, कुलपति प्रो. एस एस सारंगदेवोत व विधि आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. मूलचंद शर्मा व कुल प्रमुख भंवरलाल गुर्जर ने गोल्ड मेडल व उपाधियां प्रदान की। संचालन रजिस्ट्रार प्रो. आरपी नारायणीवाल ने किया।

सिंडिकेट बैंक क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन

उदयपुर। सिंडिकेट बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन पिछले दिनों प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी मृत्यंजय महापात्र व आंचलिक प्रबंधक अरविंद कपूर ने किया। सिंडिकेट बैंक प्रबंधक निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने ग्राहकों को बैंक के नए उत्पाद एवं सेवाओं से अवगत कराया। कपूर ने कहा कि नया क्षेत्रीय कार्यालय खुलने से ग्राहकों को काफी सुविधाएं मिलेगी तथा समस्याओं का निराकरण भी स्थानीय स्तर पर त्वरित गति से होगा। कार्यक्रम में उदयपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक रामचन्द्र एस. उपाध्याय, उप क्षेत्रीय प्रबंधक कमलेश कुमार जैन, क्षेत्रीय कार्यालय एवं स्थानीय शाखाओं के स्टाफ सदस्य, सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्राहक उपस्थित थे।

यूनिवर्सल स्टडी अब्रॉड का उद्घाटन

उदयपुर। आईडीपी की यूनिवर्सल स्टडी अब्रॉड यूएसए की शाखा का द यूनिवर्सल स्कूल के समन्वय से फतेहपुरा स्कूल परिसर में उद्घाटन हुआ। अतिथि ब्रह्माकुमारीज की संचालिका रीटा दीदी, सेंटपॉल के बिशप देव प्रसाद गणावा, योग ट्रेनर गुनीत मोंगा, अंतरराष्ट्रीय मॉडल आकृति मलिक, सर्व धर्म मैत्री संघ के निदेशक फादर नॉरबर्ट हरमन थे। अध्यक्षता रोटरी मीरा की अध्यक्ष प्रीति सोगानी, सुषमा कुमावत ने की। विशिष्ट अतिथि रोटरी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अरुण बापना, मधु सरीन, योगेश पगारिया, पवन कोठारी, दिनमय चौधरी, आशीष हरकावत थे। इस मौके पर यूनिवर्सल स्टडी अब्रॉड आईडीपी के पोस्टर का विमोचन किया गया।

वार्षिकोत्सव 'वेसेलियस' का समापन

उदयपुर। गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के साप्ताहिक वार्षिकोत्सव वेसेलियन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का समापन गीतांजलि सभागार में रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ हुआ। मुख्य अतिथि चेयरमैन जे पी अग्रवाल व गीता अग्रवाल, ट्रस्टी मेंबर गीतांजलि विवि ट्रस्ट कनिका अग्रवाल, कार्यकारी निदेशक गीतांजलि ग्रुप अंकित अग्रवाल, वाइस चांसलर, डॉ. आर. के. नाहर, डीन, डॉ. आर. के. नाहर, डीन, गीतांजलि मेडिकल कॉलेज डॉ. एफ. एस. मेहता, रजिस्ट्रार भूपेन्द्र मंडलिया, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नरेन्द्र मोगरा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतीम तम्बोली ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। वार्षिकोत्सव के अंतिम दिन उत्कृष्ट छात्रों को पुरस्कृत किया गया।

डिसाइड का वादा, कपड़े धुले
साफ और ज्यादा
AADHAR PRODUCTS
डिसाइड®
वाशिंग पाउडर
डिसाइड
वाशिंग पाउडर
डिसाइड
गोल्ड
Decide
एडवाइज़
वाशिंग पाउडर
Decide
super
डिसाइड
रिफाइन्ड फ्री फ्लो
आयोडाईज्ड
नमक
डिसाइड
बर्तन बार
एडवाइज़
डिसाइड
डिसाइड
Rose beauty soap
RICH ROSE AROMA
with natural fragrance
डिसाइड
Lime beauty soap
FOR LUMINOUS FRESHNESS
with natural fragrance
डिसाइड
MILK & ALMOND beauty soap
FOR SMOOTH & SOFT SKIN
with natural fragrance
हमारे अन्य उत्पाद
डिसाइड वाशिंग पाउडर
डिसाइड सुपर व्हाईट वाशिंग पाउडर
डिसाइड सुपर व्हाईट वाशिंग पाउडर 4कि.ग्रा. जार
डिसाइड गोल्ड वाशिंग पाउडर
एडवाइस वाशिंग पाउडर
एडवाइस डिटर्जेन्ट केक
डिसाइड डिशवाश बार
डिसाइड डिशवाश टब
डिसाइड डिटर्जेन्ट केक
डिसाइड नमक
डिसाइड बाथ सोप
AADHAR PRODUCTS PVT. LTD.
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED COMPANY)
F-264, F-264A, RIICO Ind. Area, Gudli, Udaipur - 313 024 (Raj.) India
CIN : U15412RJ2005PTC020174
FOR CONSUMER FEEDBACK, PLEASE CONTACT TO EXECUTIVE (CUSTOMER CARE) ON
77278 64004
or email at aadharproducts@rediffmail.com
www.aadharproducts.in

The Icon to Luxuriate

SHIVA export company

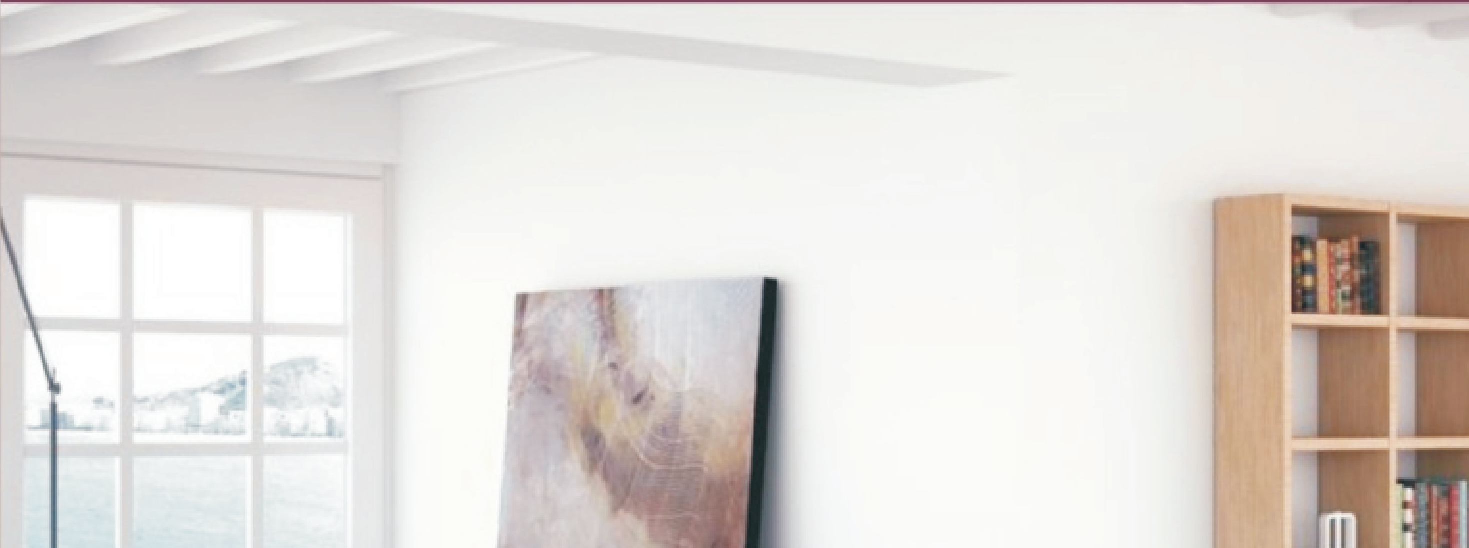

8, Bhatt Ji ki Bari, Udaipur-313001, Rajasthan, INDIA
Tel. : +91-294-2418228, Fax : +91-294-2414643
Cell : +91 99280 37747, 96800 02120
E-mail : shivaexport@gmail.com | Website : www.shivaexport.in

RAMADA®
UDAIPUR RESORT & SPA

Rampura Circle, Kodiyat Road, Udaipur - 313 001
Tel. : 0294 3053800,9001298880 | Fax : 0294 3053900
reservations@ramadaudaipur.com | www.ramadaudaipur.com